सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 130, नई दिल्ली, बुधवार, 08 मार्च 2023, पेज 8

03 दिल्ली से चोरी कर मेरठ जा रही थी लग्जरी कारें

05 कई वेरिएंट्स बंद होने के बाद भी कायम है टाटा की इस कार का जलवा

08 70 प्रशिक्षण विमानों की खरीदारी के लिए एचएएल से किया करार

आज का सुविचार

वर्तमान को आग में झोंके बिना भविष्य का मार्ग प्रशस्त नहीं होता।

दिल्ली की सड़कों पर बेखौफ नियमों की धज्जियां उड़ाकर चलते ई रिक्शों का मुख्य कारण 'परिवहन आयुक्त'

दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन आयुक्त एवं विशेष आयुक्त दिल्ली यातायात पुलिस चाहे तो लगाम लग सकती है अवैध रिक्शों पर।

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में खुलेआम नियमों की अनदेखी करके चलाए जा रहे है लाखों ई-रिक्शों पर ट्रांसपोर्ट विभाग या ट्रैफिक पुलिस की टीमें रोक नहीं लगा पा रही या सोची समझी चाल के तहत नहीं लगाना चाहते रोक।

सड़कों पर चलने वाले कई ई-रिक्शों में अभी भी लेड एसिड बैटरी का इस्तेमाल हो रहा है, जबकी ई-रिक्शे केवल वही रजिस्टर्ड हो रहे हैं, जिनमें लीथियम आयन बैटरी लगी होती है।

ट्रेफिक पुलिस और परिवहन प्रवर्तन शाखा जिनका कार्य है कानून और नियम तोड़ने वाले वाहनों पर लगाम लगाना उनका कहना है ई रिक्शा पर लगाम लगाना और जांच करना मुश्किल है , इसी वजह से माननीय उच्चतम एवम्-उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशो के बाद भी इन पर लगाम लगाना मुश्किल है।

हमारी राय में दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन आयुक्त एवम्-विशेष आयुक्त दिल्ली यातायात पुलिस चाहे तो लगाम लग सकती है अवैध रिक्शों पर।

यहां यह मुख्य सवाल उठता है अवैध ई रिक्शों के परिचालन को रोकने की जिम्मेदारी किसकी ?

ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट विभाग की प्रवर्तन शाखा को इसमें एक्शन लेने की पावर है।

अवैध या अनधिकृत ई-रिक्शा किसे मानें ?

अगर पंजीकरण के बिना कोई ई-रिक्शा चल रहा है, तो उसे अवैध या अनधिकृत रिक्शा माना जाएगा।

क्या एक्शन बनता है ?

इसमें मोटर वीकल एक्ट के सेक्शन 39/192 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए । रिक्शा जब्त किया जा सकता है और साथ में 5 हजार का जुर्माना लगता है। नियम के अनुसार बिना पंजीकरण के चलते हुए वाहनों को पकड़े जाने के बाद जुर्माना भरने के बाद भी छोड़ा नहीं जाता है।

रिक्शे का पंजीकरण है क्या तब भी उसके खिलाफ़ कार्यवाही हो सकती हैं ?

मोटर वाहन नियम के अनुसार वाहन पंजीकृत हैं पर उसके पास मान्य परमिट नहीं है या मान्य फिटनेस नहीं है या मान्य इंश्योरेंस पॉलिसी नही है या अन्य नियमों का पालन नहीं कर रहा है, तो मोटर वीकल एक्ट के सेक्शन 56/177 या 39/192 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसमें 5,500 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक जुर्माना लगता है।

मोटर वाहन नियम में कार्यवाही हो सकती हैं पर फिर भी दिल्ली यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की प्रवर्तन शाखा की मेहरबानी के कारण दिल्ली की सड़को पर ई रिक्शे नियमो की धज्जियां उड़ाते चलते नजर आते रहते हैं और इस सब का मुख्य कारण है परिवहन आयुक्त।

इनसाइड

देहरादून रिंग रोड का कार्य एनएचएआई द्वारा किया जा रहा

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग द्वारा चारधाम परियोजना के अधिकांश भाग का कार्य, राज्य में फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य, टनल निर्माण कार्य समयान्तर्गत एवं दक्षता से किये गये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी जाने वाले पर्यटक देहरादून शहर से होते हुए ही मसूरी जाते हैं, जिस कारण शहर में वाहनों की संख्या में लगातार बढ़ रही है। देहरादून रिंग रोड का कार्य एनएचएआई द्वारा किया जा रहा है। यह कार्य एन0एच0-(ओ0) के अन्तर्गत स्वीकृति के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार में विचाराधीन है। मुख्यमंत्री ने गडकरी को अवगत कराया कि उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित राष्ट्रीय राजमार्गों में आपदा से क्षतिग्रस्त हुये मार्गों को सुधारु किये जाने के लिए एफ0डी0आर0 (सी0) के अन्तर्गत 1 हजार २ सौ 95.07 लाख का भुगतान किये जाने के लिए प्रस्ताव सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया गया है।

एक साल में 5000 से अधिक 15 साल पुराने वाहन हुए स्क्रैप, जानें कौन राज्य है टॉप पर

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार देशभर में अब तक 5359 निजी वाहन और 67 व्यावसायिक वाहन आरवीएसएफ में स्क्रैप किए गए हैं. ये वाहन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, असम और चंडीगढ़ के हैं.

नई दिल्ली. देश में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने स्क्रैप पॉलिसी लागू की है. मंत्रालय के अनुसार एक साल में 5000 से अधिक पुराने वाहन स्क्रैप किए गए हैं. हालांकि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अभी सभी राज्यों में वाहन स्क्रैप नहीं किए जा रहे हैं. केवल पांच राज्य और एक यूटी में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं (आरवीएसएफ) में वाहन स्क्रैप किए गए हैं. सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार देशभर में अब तक5359 निजी वाहन और 67 व्यावसायिक वाहन आरवीएसएफ में स्क्रैप किए गए हैं. ये वाहन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,गुजरात, हरियाणा, असम और चंडीगढ़ स्क्रैप किए गए हैं. हालांकि मंत्रालय द्वारा उपलब्ध आंकड़ों में अधिक प्रदूषित राज्य दिल्ली या महाराष्ट्र नहीं हैं. इन राज्यों में स्क्रैप किए गए वाहनों का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है.

सबसे ज्यादर उत्तर प्रदेश में स्क्रैप हुए वाहन

मंत्रालय के अनुसार सबसे ज्यादा वाहन उत्तर प्रदेश में स्क्रैप किए गए हैं. यहां पर कुल स्क्रैप हुए वाहनों में 80 फीसदी यानी 4059 निजी वाहन और 50 व्यावसायिक वाहन स्क्रैप किए गए हैं. वहीं, दूसरे नंबर पर गुजरात है, जहां पर 1053 निजी वाहन और 17 व्यावसायिक वाहन स्क्रैप किए गए हैं. तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश जहां 188 निजी वाहन स्क्रैप किए गए हैं. वहीं, हरियाणा में 40, असम में 12 और चंडीगढ़ में 7 निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है. इन राज्यों और यूटी में व्यावसायिक वाहन स्क्रैप नहीं किए गए हैं।

होली पर दिल्ली मेट्रो 2.30 बजे और डीटीसी की बसें दो बजे तक रहेंगी बंद

संजय बाटला

होली पर मेट्रो 2.30 बजे और दिल्ली परिवहन निगम की बस सेवा 2 बजे तक स्थगित रहेगी। दोपहर बाद बस और मेट्रो सेवा शुरू होंगी। मेट्रो फीडर बस सेवा भी दोपहर 2:30 बजे के बाद ही शुरू की जाएगी।

झज्जर/बहादुरगढ़। होली के अवसर पर बुधवार को दिल्ली में डीटीसी बस और मेट्रो रेल सेवाएं दोपहर बाद शुरू होंगी। डीटीसी और डीएमआरसी ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है। डीएमआरसी के अधिकारियों ने बताया है कि बुधवार को गुरुग्राम की रैपिड मेट्रो और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन समेत अन्य सभी मेट्रो लाइनपार मेट्रो ट्रेन सेवाएं दोपहर ढाई बजे से शुरू होंगी।

सभी टर्मिनल स्टेशनों से पहली ट्रेन दोपहर 2:30 बजे चलेंगी और उसके बाद रात तक मेट्रो सेवा सामान्य टाइमिंग के अनुसार जारी रहगी। हालांकि ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी जरूर कुछ कम रहेगी। मेट्रो फीडर बस सेवा भी दोपहर 2:30 बजे के बाद ही शुरू की जाएगी।

वहीं डीटीसी मुख्यालय से जारी की गई एडवाइजरी में बताया गया है कि बुधवार को बस सेवाएं दोपहर 2 बजे तक स्थगित रहेंगी। सभी रूटों पर बसें दोपहर 2 बजे से चलनी शुरू होंगी। चूंकि इस दिन ट्रैफिक लोड भी कम ही रहने की संभावना है। इसलिए केवल 25 फीसदी बसों को ही यात्री सेवा में उतारा जाएगा और शाम की शिफ्ट में भी कुछ चुनिंदा रूटों पर ही बसें चलाई जाएंगी। क्लस्टर बसें भी दोपहर 2 बजे के बाद ही चलनी शुरू होंगी।

गड़करी से मिले सीएम धामी, इन राजमार्गों और मसूरी टनल को लेकर हुई ये बात

एनटीवी संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। सीएम ने केंद्रीय मंत्री से मिलकर राजमार्गों और मसूरी टनल को लेकर बात की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से राजमार्गों में खैरना - रानीखेत, बुआखाल - देवप्रयाग, देवप्रयाग- गजा - खाड़ी, पाण्डुखाल - नागचुलाखाल-बैजरों, बिहारीगढ़- रोशनाबाद, लक्ष्मणझूला - दुगड्डा-मोहन-रानीखेत राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और 189 किमी0 के काठगोदाम-भीमताल धानाचूली- मोरनोला- खेतीखान - लोहाघाट-पंचेश्वर मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने का अनुरोध किया। साथ ही सीएम ने गड़करी से मसूरी टनल का कार्य उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग को आवंटित किये जाने का भी मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया।

उत्तराखंड दौरे पर आए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सीएम धामी ने मुलाकात की। सीएम ने देहरादून दिल्ली एलीवेटड रोड के निर्माण में तेजी लाये जाने पर उनका आभार जताया। सीएम ने केंद्रीय मंत्री से देहरादून-टिहरी टनल के निर्माण की डीपीआर में भी शीघ्रता की अपेक्षा की। सीएम ने गडकरी से राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गये प्रस्तावों को भी मंजूरी दिये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने गडकरी को अवगत कराया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 06 राज्य मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गयी थी, जिसकी स्वीकृति भारत सरकार से अद्यतन प्रतीक्षित है। सीएम ने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मसूरी की महत्वपूर्ण02-लेन टनल परियोजना के कार्यों हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन0एच0ए0आई0) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। इस परियोजना के प्रथम चरण के सभी कार्यों को लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड की राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड द्वारा प्रभावी तरीके एवं समयबद्धता के साथ किया जा रहा है।

महाराष्ट्र राजमार्ग पर 'दुनिया का पहला' बांस क्रैश बैरियर स्थापित किया गया

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के चंद्रपुर और यवतमाल जिलों को जोड़ने वाले राजमार्ग पर दुनिया का पहला 200 मीटर लंबा बांस क्रैश बैरियर स्थापित किया गया है। 'बहू बल्ली' नाम के बांस दुर्घटना अवरोधक का इंदौर के पीथमपुर में नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (एनएटीआरएक्स) जैसे विभिन्न सरकारी संस्थानों में 'कड़ा परीक्षण' किया गया। नितिन गडकरी के नेतृत्व में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, रुड़की में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) में आयोजित फायर रेटिंग टेस्ट के दौरान इसे क्लास 1 के रूप में रेट किया गया था और इसे भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा भी मान्यता दी गई है। आत्मनिर्भर भारत को दुनिया के पहले बांस से बने क्रैश बैरियर के विकास के साथ बनाया गया है, जिसे महाराष्ट्र के विदर्भ में वाणी-वरोरा राजमार्ग पर स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, इसे भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा भी मान्यता दी गई है। बांस बैरियर का रीसाइक्लिंग मूल्य 50-70 प्रतिशत है जबकि स्टील बैरियर का 30-50 प्रतिशत है। इस अवरोध को बनाने में उपयोग की जाने वाली बांस की प्रजाति बंबुसा बाल्कोआ है, जिसे क्रेओसोट तेल के साथ इलाज किया गया है और पुनर्नवीनीकरण उच्च घनत्व पॉली एथिलीन (एचडीपीई) के साथ लेपित किया गया है। यह उपलब्धि बांस क्षेत्र और पूरे भारत के लिए उल्लेखनीय है, क्योंकि यह क्रैश बैरियर स्टील के लिए एक आदर्श विकल्प प्रदान करता है और पर्यावरण संबंधी चिंताओं और उनके बाद को संबोधित करता है।

नौटंकी बाज केजरीवाल अपने भ्रष्ट मंत्रियों की तुलना शहीद भगत सिंह से करके भगत सिंह का अपमान ना करें।

शराब मंत्री से खफा बुजुर्ग ऑटो चालक द्वारा पीछे लिखी मन की बात पर आप एमएलए ने धमकाया

एस.डी. सेठी

एनटीवी, नई दिल्ली। एक 67 वर्षीय बुजुर्ग ऑटोचालक को ऑटो के पीछे अपने मन की बात लिखना एक आम आदमी पार्टी विधायक को इतना नागवारा गुजरा कि बीच सडक अपनी फॉरचूनर गाडी को ओवरटेक कर ऑटो को रोका और उसमें से विधायक और उसके साथ बैठे लोगों ने बुजुर्ग ड्राइवर से मिटाने की धमकी तक दे डाली।

केजरीवाल से खफा ऑटोचालक ने पीछे सिर्फ ये लिखकर सीख दी थी, कि नौटंकी बाज केजरीवाल अपने भ्रष्ट मंत्रियों की तुलना शहीद भगत सिंह से करके भगत सिंह का अपमान ना करें। ड्राइवर ने बताया कि इसी सीख पर त्रिलोक पुरी से विधायक ने धमकी देते हुए कहा इसे तुरंत मिटाकर पेंट करके इसकी फोटो खींचकर मोबाइल पर भेज। अगर तूने इसे नहीं मिटाया तो ऑटो समेत तूझे बंद कर दूंगा। लाईसेंस, परमिट सब जब्त करवा दूंगा। इस बात से खफा बुजुर्ग गरीब ड्राइवर ने विधायक और उसके गुर्गो के खिलाफ गाजीपुर पुलिस स्टेशन में लिखित कंप्लेंट दर्ज करवाई है। जबकि ऑटोचालक आम आदमी पार्टी का ही सदस्य है। आगे की

कारवाई पर बेखौफ बुजुर्ग ड्राइवर ने कहा कि अब तो मिटाने की बात तो दूर उल्टे विधायक की धमकी को और लिखवाउंगा। चालक का कहना है कि राजनीतिक का गिरता स्तर है कि जेल में बंद पूर्व शराब मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को भगत सिंह से तुलना करना कैसे संभव है जबकि उन्होने देश के लिए हंसते -हंसते फांसी के फंदे को चूम लिया था।

इनसाइड

मेहनत कर लिख दी सफलता की कहानी

सहारनपुर। आज की महिलाएं पुराने रीति रिवाजों और मिथकों को तोड़कर न सिर्फ आगे बढ़ रही हैं। बल्कि अपने दम पर सफलता की कहानी लिखीं। लोगों के लिए मिसाल कायम कर रही हैं। राह में मुश्किलें आईं, अपने और परायों ने ताने दिए, लेकिन उन सब को दरकिनार करते हुए अपने जज्बे, जुनून और जिद के चलते अपने कदम आगे बढ़ाती गईं। ऐसे तमाम उदाहरण दुनिया में हर जगह हैं। फिर भला सहारनपुर की नारियों के क्या कहने। यहां की महिलाओं ने अपनी तकदीर अपने दम पर लिखी। आइए जानते हैं उन महिलाओं के बारे में।

--मूकबधिर बच्चों में नई उम्मीद जगा रही डॉ. रेखा कुमार

मूकबधिर बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है। आवश्यकता है तो बस उस प्रतिभा को पहचानने और निखारने की। चंद्रनगर निवासी डॉ. रेखा कुमार पिछले करीब 28 सालों से ऐसे बच्चों के लिए काम कर रही हैं। उनकी संकल्प नाम की संस्था है। इस संस्था के जरिए वह बच्चों के जीवन को सुधरने का प्रयास करती हैं। अपने 28 सालों के सफर में डॉ. रेखा कुमार सैकड़ों बच्चों का जीवन बदल चुकी हैं। उनके चेहरे पर मुस्कान ला चुकी हैं। बच्चों के अभिभावक जो कल तक यह समझते थे कि उनके बच्चे कुछ नहीं कर सकते, उनको आज विश्वास नहीं होता कि वह सब कुछ कर सकते हैं। संकल्प संस्था ने रास्ता दिखाया तो सोच बदली। साथ ही स्पेशल बच्चों का भी जीवन बदल गया।

-पति की मौत पर नहीं हारी हिम्मत

गांव बढेड़ी कोली निवासी सुदेश शर्मा के पति सुभाष शर्मा का स्वर्गवास 1994 में हो गया था, लेकिन सुदेश शर्मा ने हिम्मत नहीं हारी। उनका कहना है न तो उनके पास खेती की जमीन थी व न हीं रहने के लिए मकान था, लेकिन उन्होंने 16 साल महिला समाख्या में 600 रुपये की नौकरी की। उसके बाद प्राइवेट अस्पताल में नौकरी की साथ ही बच्चों को ट्यूशन पढ़ाया। बड़ा बेटा उस समय मात्र आठ वर्ष का था, उनसे एमएससी की पढ़ाई कराई। छोटे बेटे को बी-टेक कराया। उनका एक बेटा इंजीनियर और दूसरा जम्मू-कश्मीर में है। मकान बनाया और बेटों की शादी की।

-विषम परिस्थितियों में तीन बेटियों के हाथ किए पीले

नागल निवासी आशा अरोड़ा ने विषम परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारी। उनके पति सत्यदेव अरोड़ा की 2008 में मृत्यु हो गई थी। घर का खर्च कस्बे के मेन बाजार में परचून की दुकान से चलता था। पति की मौत के बाद दुखों का पहाड़ टूटा और ऐसा लगा कि अब परिवार का खर्च कैसे पूरा होगा, लेकिन आशा ने हिम्मत को बरकरार रखा। पति की मौत के बाद दुकान संभाली। दुकान से जो भी पैसा आता, उससे घर खर्च चलता है। यहीं नहीं उसने अपनी तीनों बेटियों के हाथ पीले किए। इस समय उनका बेटा ही दुकान को संभाल रहा है। उनके पास कोई जमीन नहीं है।

-घर पर फिनाइल तैयार कर रही अलका

गांव रायपुर निवासी अलका देवी घर पर ही फिनाइल, गोनाइल, टॉयलेट, क्लीनर आदि को तैयार कर स्वयं ही बाजार में सप्लाई कर रहीं हैं। उन्होंने इस कार्य अपने संसाधनों से शुरू किया गया। इससे उनको अच्छी आय प्राप्त हो रही है। अलका देवी का कहना है कि इस काम को आगे और अधिक बढ़ाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्या है और क्यों मनाया जाता है?

हो सकता है कि आपने मीडिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में सुना हो. या फिर अपने दोस्तों को इस बारे में बातचीत करते हुए सुना होगा. मगर ये दिन क्यों मनाया जाता है? ये कब मनाया जाता है? ये कोई जश्न है? या फिर, विरोध का प्रतीक है? क्या महिला दिवस की तरह कभी अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाता है?

और, इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कौन कौन से कार्यक्रम होंगे? पिछली एक सदी से भी ज़्यादा वक़्त से दुनिया भर में लोग आठ मार्च को महिलाओं के लिए एक ख़ास दिन के तौर पर मनाते आए हैं.

आइए जानने की कोशिश करते हैं कि इसकी क्या कहानी है? अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरुआत कैसे हुई?

क्लारा ज़ेटकिन ने साल 1910 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी

1910 में क्लारा जेटकिन नाम की एक महिला ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बुनियाद रखी थी.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस या महिला दिवस, कामगारों के आंदोलन से निकला था, जिसे बाद में संयुक्त राष्ट्र ने भी सालाना जश्न के तौर पर मान्यता दी. इस दिन को ख़ास बनाने की शुरुआत आज से 115 बरस पहले यानी 1908 में तब हुई, जब क़रीब पंद्रह हज़ार महिलाओं ने न्यूयॉर्क शहर में एक परेड निकाली. उनकी मांग थी कि महिलाओं के काम के घंटे कम हों. तनख़्वाह अच्छी मिले और महिलाओं को वोट डालने का हक़ भी मिले.

एक साल बाद अमरीका की सोशलिस्ट पार्टी ने पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का एलान किया. इसे अंतरराष्ट्रीय बनाने का ख़याल सबसे पहले क्लारा ज़ेटकिन नाम की एक महिला के ज़हन में आया था.

क्लारा एक वामपंथी कार्यकर्ता थीं. वो महिलाओं के हक़ के लिए आवाज़ उठाती थीं. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का सुझाव, 1910 में डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगेन में कामकाजी महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया था.

उस सम्मेलन में 17 देशों से आई 100 महिलाएं शामिल थीं और वो एकमत से क्लारा के इस सुझाव पर सहमत हो गईं. पहला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटज़रलैंड में मनाया गया. इसका शताब्दी समारोह 2011 में मनाया गया. तो, तकनीकी रूप से इस साल हम 112वां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने जा रहे हैं.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को औपचारिक मान्यता 1975 में उस वक़्त मिली, जब संयुक्त राष्ट्र ने भी ये जश्न मनाना शुरू कर दिया. संयुक्त राष्ट्र ने इसके लिए पहली थीम 1996 में चुनी थी, जिसका नाम 'गुज़रे हुए वक़्त का जश्न और भविष्य की योजना बनाना' था.

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, समाज में, सियासत में, और आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की तरक़्क़ी का जश्न मनाने का दिन बन चुका है. जबकि इसके पीछे की सियासत की जो जड़ें हैं, उनका मतलब ये है कि हड़तालें और विरोध प्रदर्शन आयोजित करके औरतों और मर्दों के बीच उस असमानता के प्रति जागरूकता फैलाना है, जो आज भी बनी हुई है.

2022 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर औरतों के ख़िलाफ़ हिंसा के विरोध में मेक्सिको में प्रदर्शन करती महिलाएं

जब क्लारा जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का सुझाव दिया था, तो उनके ज़हन में कोई ख़ास तारीख़ नहीं थी.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तो 1917 में जाकर तय हुआ था, जब रूस की महिलाओं ने 'रोटी और अमन' की मांग करते हुए, ज़ार की हुक़ूमत के ख़िलाफ़ हड़ताल की थी. इसके बाद ज़ार निकोलस द्वितीय को अपना तख़्त छोड़ना पड़ा था.

उसके बाद बनी अस्थायी सरकार ने महिलाओं को वोट डालने का अधिकार दिया था.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पर्पल रंग पहना जाता है. ये सम्मान और न्याय का प्रतीक है

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पर्पल रंग पहना जाता है.

लोग इस दिन जामुनी रंग के कपड़े क्यों पहनते हैं?

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पहचान अक्सर जामुनी रंग से होती है क्योंकि इसे 'इंसाफ़ और सम्मान' का प्रतीक माना जाता है.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की वेबसाइट के मुताबिक़, जामुनी, हरा और सफ़ेद अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रंग हैं.

वेबसाइट के मुताबिक़, 'जामुनी रंग इंसाफ़ और सम्मान का प्रतीक है. हरा रंग उम्मीद जगाने वाला है, तो वहीं सफ़ेद रंग शुद्धता की नुमाइंदगी करता है.'

हालांकि इस रंग से जुड़ी परिकल्पना को लेकर विवाद भी है. महिला अधिकार कार्यकर्ता कहते हैं, ₹महिला दिवस से ताल्लुक़ रखने वाले इन रंगों की शुरुआत 1908 में ब्रिटेन में महिलाओं के सामाजिक और राजनीतिक संघ (WSPU) से हुई थी.₹

क्या कोई अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस भी है?

हां, एक अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस भी है, जो 19 नवंबर को मनाया जाता है. हालांकि, इसे मनाने का चलन ज़्यादा पुराना नहीं है. अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाने की शुरुआत 1990 के दशक से हुई थी और अभी इसे संयुक्त राष्ट्र से मान्यता भी नहीं मिली है. ब्रिटेन समेत दुनिया के 80 से ज़्यादा देशों के लोग अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाते हैं.

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस के आयोजकों के मुताबिक़, ये दिन 'मर्दों के दुनिया में, अपने परिवारों और समुदायों में सकारात्मक मूल्यों के योगदान' के जश्न के तौर पर मनाया जाता है और इसका मक़सद पुरुषों के पॉज़िटिव रोल मॉडलों के बारे में दुनिया को बताने, मर्दों की बेहतरी को लेकर जागरूकता फैलाने के साथ साथ, औरतों और मर्दों के आपसी रिश्तों को सुधारना है.

महिला दिवस पर हदिया को मिला 'तोहफ़ा'

दो बच्चों के साथ हाथ में पीला फूल थामे हुए एक महिला

जब महिलाएं और बच्चे 2022 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर यूक्रेन से हंगरी पहुंचे तो उनका स्वागत फूल देकर किया गया.

महिला दिवस कैसे मनाया जाता है?

कई देशों में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय अवकाश रहता है. इन देशों में रूस भी शामिल है, जहां आठ मार्च के आस-पास के तीन चार दिनों में फूलों की बिक्री दोगुनी हो जाती है.

चीन में राष्ट्रीय परिषद के सुझाव पर बहुत सी महिलाओं को आठ मार्च को आधे दिन की छुट्टी दे दी जाती है.

इटली में महिलाओं को आठ मार्च को मिमोसा फूल देकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. ये परंपरा कब से शुरू हुई, ये तो साफ़ नहीं है. मगर, माना ये जाता है कि इसकी शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के बाद रोम से हुई थी.

अमरीका में मार्च का महीना महिलाओं की तारीख़ का महीना होता है. हर साल राष्ट्रपति की तरफ़ से एक घोषणा जारी की जाती है, जिसमें अमरीकी महिलाओं की उपलब्धियों का बखान किया जाता है.

2023 के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र की थीम 'डिजिटऑलः लैंगिक समानता के लिए आविष्कार एवं तकनीक' है. इस थीम का लक्ष्य तकनीक और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं द्वारा दिए जा रहे योगदान को स्वीकार करना और उसका जश्न मनाना है.

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं और लड़कियों की असमानता पर डिजिटल लैंगिक फ़र्क़ के असर की पड़ताल भी की जाएगी.

क्योंकि, संयुक्त राष्ट्र का आकलन है कि अगर ऑनलाइन दुनिया तक महिलाओं की पहुंच की कमी को दूर नहीं किया गया, तो इससे कम और मध्यम आमदनी वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद को 1.5 ख़रब डॉलर का नुक़सान होगा.

हालांकि, इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दूसरे मुद्दे भी चर्चा में हैं.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की वेबसाइट कहती है कि उसे 'महिलाओं के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के मंच' के रूप मे बनाया गया है.

इस वेबसाइट ने अपनी थीम #EmbraceEquity (समानता को अपनाओ) को चुना है. इससे जुड़े संगठनों और कार्यक्रमों के ज़रिए महिलाओं की घिसी-पिटी लैंगिक भूमिका को चुनौती देने, भेदभाव के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद करने, पक्षपात के प्रति ध्यान खींचने और महिलाओं को हर क्षेत्र में शामिल किए जाने को लेकर आवाज़ उठाई जाएगी.

अफ़ग़ानिस्तान की महिलाएं पढ़ाई का हक़ हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं

महिला दिवस की ज़रूरत क्यों है?

पिछले एक साल के दौरान अफ़ग़ानिस्तान, ईरान, यूक्रेन और अमरीका जैसे कई देशों में महिलाएं अपने अपने देशों में युद्ध, हिंसा और नीतिगत बदलावों के बीच अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही हैं.

अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी ने मानव अधिकारों के मामले में तरक्क़ी को बाधित कर दिया है. क्योंकि महिलाओं और लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने से रोक दिया गया गया है.

उनके घर से बाहर ज़्यादातर काम करने पर और किसी पुरुष संरक्षक के बग़ैर लंबी दूरी का सफ़र करने पर पाबंदी लगा दी गई है.

तालिबान ने महिलाओं को हुक्म जारी किया है कि वो घर से बाहर या दूसरे लोगों के सामने अपना पूरा चेहरा ढक कर रखें.

'तुमसे न हो पाएगा' औरतों की 'माली हालत' का सबसे बड़ा रोड़ा

ईरान में पुलिस ने चश्मदीदों के उन दावों को ख़ारिज किया कि महसा अमीनी को मारा-पीटा गया था

ईरान में विरोध प्रदर्शन

ईरान में 22 साल की महसा अमीनी नाम की महिला की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन भड़क उठे थे. महसा को 13 सितंबर 2022 को ईरान की मॉरिलिटी पुलिस ने गिरफ़्तार किया था. उन पर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के अपने बाल दुपट्टे से ढंकने के सख़्त नियम को तोड़ने का इल्ज़ाम था.

उसके बाद से पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिनका सिलसिला अब तक जारी है. ईरान में बहुत सी महिलाएं और पुरुष अब महिलाओं के लिए बेहतर अधिकारों की मांग उठा रहे हैं. वो मौजूदा सियासी नेतृत्व में भी बदलाव चाहते हैं.

प्रदर्शनकारियों का नारा, 'औरतें, ज़िंदगी, आज़ादी' है. ईरान की हुकूमत इन विरोध प्रदर्शनों को 'दंगा' कहकर प्रदर्शनकारियों से बेहद सख़्ती से निपट रही है. विरोध प्रदर्शनों और सरकार के इन्हें कुचलने की कोशिशों में अब तक 500 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके हैं.

24 फ़रवरी 2022 को रूस की सेना ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया था.

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन में खाने पीने की कमी, कुपोषण और ग़रीबी के मामले में औरतों और मर्दों के बीच फ़ासला बढ़ गया है. और युद्ध के चलते क़ीमतों में उछाल और क़िल्लत के कारण यूक्रेन में महिलाओं के प्रति हिंसा की घटनाओं में बहुत इज़ाफ़ा हो गया है.

24 जून 2022 को अमरीका के सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड के एक ऐतिहासिक क़ानून को पलट दिया. इस क़ानून के तहत अमरीकी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार हासिल था.

सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद से पूरे अमरीका में इसके ख़िलाफ़ शोर उठा और विरोध प्रदर्शन हुए. बहुत सी अमरीकी महिलाएं, गर्भपात के लिए मेक्सिको जाने का विकल्प चुन रही हैं. क्योंकि, 2021 में एक ऐतिहासिक फ़ैसले के बाद, मेक्सिको में गर्भपात कराना जायज़ कर दिया गया था.

रो बनाम वेड का फ़ैसला पलटने के बाद पूरे अमरीका में विरोध प्रदर्शन हुए

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान महिलाओं की स्थिति में सुधार भी आया है. दस साल के संघर्ष के बाद नवंबर 2022 में यूरोपीय संसद ने एक क़ानून पारित किया. इससे 2026 तक बाज़ार में सार्वजनिक कारोबार करने वाली कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की अधिक नुमाइंदगी सुनिश्चित हो सकेगी. यूरोपीय संघ ने कहा, ₹ऊपरी ओहदे पर बैठने की क़ाबिलियत रखने वाली बहुत सी महिलाएं हैं और अपने नए यूरोपीय क़ानून से हम ये सुनिश्चित करेंगे कि इन महिलाओं को उन ओहदों तक पहुंच पाने का असली मौक़ा मिल सके.₹

इसी बीच, आर्मेनिया और कोलंबिया में पिता बनने पर छुट्टी से जुड़े क़ानूनों में भी बदलाव किया गया है. वहीं, स्पेन ने माहवारी पर सेहत की छुट्टी लेने और गर्भपात की सुविधाएं बढ़ाने वाले क़ानून पारित किए हैं.

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने बताया था कि बीजिंग में 2022 में हुए शीतकालीन ओलंपिक खेल लैंगिक रूप से सबसे ज़्यादा संतुलित थे.

इन खेलों में शामिल कुल खिलाड़ियों में 45 फ़ीसद महिला एथलीट थीं. भले ही पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक समानता पूरी तरह से हासिल नहीं की जा सकी. लेकिन, नए दिशा निर्देशों के ज़रिए महिलाओं के खेलों की संतुलित रिपोर्टिंग को बढ़ावा ज़रूर दिया गया.

2023 के फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप का विस्तार किया गया है. अब इसमें 36 टीमें हिस्सा ले रही हैं. इस मुक़ाबले से पहले अमरीका के फुटबॉल परिसंघ ने एक ऐतिहासिक समझौता किया है. इसके तहत महिलाओं और पुरुषों की टीमों को बराबर भुगतान किया जाएगा. ये पहली बार है जब किसी खेल में औरतों और मर्दों को बराबर पैसे मिलेंगे. महिला खिलाड़ियों ने बराबर वेतन की मांग करते हुए कई मुक़दमे दायर किए थे. वो पिछले पांच साल से भी ज़्यादा समय से अपने हक़ की लड़ाई लड़ रही थीं.

सशक्त महिला यानी सशक्त समाज

मिसाइलमैन डा. अब्दुल कलाम की प्रमुख शिष्या रहीं डा. थॉमस को भी इस परीक्षण के बाद 'मिसाइल वुमन' अथवा 'अग्नि-पुत्री' नामों से संबोधित किया जाने लगा है। मिसाइल कार्यक्रम का संपूर्ण नेतृत्व संभालने वाली वे देश की पहली महिला वैज्ञानिक बन गई हैं। वर्तमान में भी महिलाएं कई उच्च पदों पर आसीन हो देश की प्रगति के लिए कार्यशील हैं। देश के विभिन्न राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों में भी महिलाएं विभिन्न पदों पर आसीन हैं। आज महिलाओं के मुद्दों और सरोकारों पर कहीं अधिक संवेदनशील होने और परिपक्वता दिखाने की आवश्यकता है। बालिका के जन्म से लेकर उसके युवा होने और युवा से बुजुर्ग होने तक उन्हें हर वाजिब हक की पैरवी हमें करनी होगी' हर वर्ष 8 मार्च को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसे सबसे पहली बार अमेरिका के न्यूयार्क शहर में मनाया गया था। इसका आयोजन अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने किया था। रूस में 1917 में महिलाओं ने हक और सम्मान के लिए हड़ताल आयोजित की थी। इसके बाद से दुनियाभर में महिला दिवस मनाया जाने लगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को औपचारिक मान्यता वर्ष 1975 में उस वक्त मिली जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे मनाना शुरू किया । इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस वर्ष का थीम 'वूमेन इन लीडरशिप अचिविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड-19 वल्ड' यानी 'महिला नेतृत्व : कोरोना काल में बराबर भविष्य प्राप्त करना' है। देश तभी सशक्त बन सकता है जब उसका हर नागरिक सशक्त हो। इसमें भी महिलाओं की भूमिका ही सबसे आगे है। परिवार में एक मां के रूप में वह अपनी यह भूमिका अपनी मेहनत से अदा करती है।

राष्ट्र निर्माण में उसके इस योगदान का लंबा इतिहास रहा है। विद्वानों का मानना है कि प्राचीन भारत में महिलाओं को जीवन के सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा हासिल था। अथर्ववेद में कहा गया है कि 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं। ऋग्वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथ कई महिला साध्वियों और संतों के बारे में बताते हैं जिनमें गार्गी और मैत्रेयी के नाम उल्लेखनीय हैं। भारतीय जनजीवन की मूल धुरी नारी है। यदि यह कहा जाए कि संस्कृति, परम्परा या धरोहर नारी के कारण ही पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रही है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। जब-जब समाज में जड़ता आई है, नारी शक्ति ने ही उसे जगाने के लिए, उससे जूझने के लिए अपनी संतति को तैयार करके, आगे बढने का संकल्प दिया है। हमारे देश के विकास में महिलाओं को सहभागी बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। भारतीय संविधान द्वारा कानूनों के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और सामान्य जीवन में उनकी समान भागीदारी के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। महिला साक्षरता दर भी 2011 के आंकड़ों के अनुसार लगभग 65 प्रतिशत बढ़ी है और वे देश में शीर्ष पदों पर कार्य कर रही हैं। देश के चहुंमुखी विकास तथा समाज में अपनी भागीदारी को महिलाओं ने सशक्त ढंग से पूरा किया है। 73वें संवैधानिक संशोधन के बाद देश की पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया गया है जिससे आज कई महिलाएं ऊर्जावान नेतृत्व से अपने स्थानीय परिवेश में परिवर्तन ला रही हैं।

शक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया था। रानी लक्ष्मीबाई, सरोजनी नायडू, मादाम भिखाजी कामा, अरुणा आसफ अली, एनी.बेसेन्ट, भगिनी निवेदिता, सुचेता कृपलानी, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, दुर्गा भाभी एवं क्रांतिकारियों को सहयोग देने वाली अनेक महिलाएं भारत में अवतरित हुईं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। राजनीतिक और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उदाहरण के तौर पर विजयलक्ष्मी पंडित ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा की सदस्य भी रहीं। मैत्रेयी, गार्गी आदि विदुषी स्त्रियां शिक्षा के क्षेत्र में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए आज भी पूजनीय हैं। आधुनिक काल में महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, अमृता प्रीतम आदि स्त्रियों ने साहित्य तथा राष्ट्र की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कला के क्षेत्र में लता मंगेशकर, देविका रानी, वैजयन्ती माला आदि का योगदान प्रशंसनीय है। वर्तमान में महिलाएं समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र उत्थान के अनेक कार्यों में लगी हैं। भारतीय महिलाएं विधि, अकादमिक, साहित्य, संगीत, नृत्य, खेल, मीडिया, उद्योग, आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के बाद

महिला वैज्ञानिक टेसी थॉमस की मुख्य भूमिका उभरकर सामने आई है। मिसाइलमैन डा. अब्दुल कलाम की प्रमुख शिष्या रहीं डा. थॉमस को भी इस परीक्षण के बाद 'मिसाइल वुमन' अथवा 'अग्नि-पुत्री' नामों से संबोधित किया जाने लगा है। मिसाइल कार्यक्रम का संपूर्ण नेतृत्व संभालने वाली वे देश की पहली महिला वैज्ञानिक बन गई हैं। वर्तमान में भी महिलाएं कई उच्च पदों पर आसीन हो देश की प्रगति के लिए कार्यशील हैं। देश के विभिन्न राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों में भी महिलाएं विभिन्न पदों पर आसीन हैं। आज महिलाओं के मुद्दों और सरोकारों पर कहीं अधिक संवेदनशील होने और परिपक्वता दिखाने की आवश्यकता है। बालिका के जन्म से लेकर उसके युवा होने और युवा से बुजुर्ग होने तक उन्हें हर वाजिब हक की पैरवी हमें करनी होगी। यदि हर माता-पिता लडक़ी और लडक़े का भेद अपने मन से हटा दें तो आंकड़ों का यह अंतर अपने आप ही मिट जाएगा। इस सामाजिक मानसिकता को बदलने का जिम्मा देश की वर्तमान युवा पीढ़ी को ही उठाना होगा। किसी भी समाज का स्वरूप वहां की नारी की स्थिति पर निर्भर करता है। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ एवं सम्मानजनक होगी, तभी समाज भी सुदृढ़ एवं मजबूत होगा। महिला दिवस पर नारी शक्ति को नमन है।

इनसाइड

सिसोदिया-जैन का इस्तीफा स्वीकार, राष्ट्रपति ने आतिशी और सौरभ को कैबिनेट में शामिल करने की दी मंजूरी

गृह मंत्रालय ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सलाह पर दिल्ली सरकार के मंत्री का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का इस्तीफा सोमवार को राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया। इस बात की जानकारी देते हुए गृह मंत्रालय ने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सलाह पर दिल्ली सरकार के मंत्रियों का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा दिल्ली कैबिनेट में आतिशी और सौरभ भारद्वाज को बतौर मंत्री नियुक्त करने की अनुमति दे दी है।

वहीं दूसरी तरफ सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी उनसे पूछताछ कर रही है। ईडी ने सिसोदिया से पूछताछ करने के लिए अदालत से इजाजत ली थी जिसके बाद अब एजेंसी उनसे तिहाड़ जेल में सवाल-जवाब करने के लिए पहुंच गई है। सिसोदिया से पूछताछ शुरू हो चुकी है। बता दें कि एक मार्च को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया था। जिसे छह मार्च को मंजूर कर लिया गया।

जेल नंबर एक में हैं सिसोदिया

आबकारी मामले में आरोपी पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तिहाड़ के जेल नंबर एक में हैं। सोमवार को अदालत से न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद उन्हें जेल नंबर एक में लाया गया।

सुबह छह बजे से होगी दिन की शुरुआत

जेल में बंद मनीष सिसोदिया की सुबह छह बजे से होगी दिन की शुरुआत। सुबह छह बजे सभी कैदियों को सेल से बाहर निकाला जाता है। उसके बाद कैदियों की गिनती की जाती है। साढ़े सात बजे कैदियों को जेल में चाय व नाश्ता दिया जाता है। 11 बजे सुबह कैदियों को खाना दिया जाता है। 12 से तीन बजे तक कैदियों को किसी जरूरी कार्य के अलावा बैरक, वार्ड या सेल से बाहर नहीं निकलने दिया जाता है। साढ़े तीन बजे एक बार फिर उन्हें चाय व नाश्ता दिया जाता है। इसके बाद साढ़े छह बजे तक रात का खाना कैदियों को दे दिया जाता है। खाना खाने के बाद एक बार फिर कैदियों की गिनती होती है। जेल नियम के मुताबिक मनीष सिसोदिया भी अन्य कैदियों की तरह रहेंगे।

बाइक पेड़ से टकराने पर चालक की मौत, हादसे के समय युवक ने पी रखी थी शराब

नई दिल्ली। हादसे में जख्मी हुए एक अन्य विकास (25) को दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बाइक पर बैठा तीसरा युवक शंकर हादसे में मामूली रूप से जख्मी हुआ है। उत्तरी दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई जबकि उसके पीछे बैठे दो युवक जख्मी हो गए। मृतक की पहचान पुल प्रहलादपुर निवासी विकास (24) के रूप में हुई है। हादसे में जख्मी हुए एक अन्य विकास (25) को दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक पर बैठा तीसरा युवक शंकर हादसे में मामूली रूप से जख्मी हुआ। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि हादसे पूर्व तीनों ने जमकर शराब पी थी। उत्तरी जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात करीब 11.30 बजे उनकी टीम को सूचना मिली कि इंद्रलोक से कन्हैया नगर मेट्रो स्टेशन जाने वाली ओर एक बाइक सड़क हादसे का शिकार हो गई है। इसमें तीन युवक बुरी तरह जख्मी हो गई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल विकास और इसके दूसरे दोस्त विकास को दीपचंद बंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां पुल-प्रहलादपुर निवासी विकास को मृत घोषित कर दिया गया।

दिल्ली से चोरी कर मेरठ जा रही थी लग्जरी कारें पुलिस ने दो आरोपियो को किया गिरफ्तार

याहया नदीम गैंग का ही रिसीवर है। लग्जरी कार के बदले नदीम गैंग दो लाख रुपये देता था।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी जयंत कुमार (28) और हुमायूं नगर, जाकिर कालोनी, मेरठ निवासी याहया उर्फ शादाब (24) के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

नई दिल्ली। मध्य जिला के एएटीएस (एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वायड) एक अंतरराज्जीय वाहन चोरों के गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में वाहन चोर व एक रिसीवर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी जयंत कुमार (28) और हुमायूं नगर, जाकिर कालोनी, मेरठ निवासी याहया उर्फ शादाब (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से तीन लग्जरी कारें, एक स्कूटर व अन्य सामान बरामद किया है।

शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी पिछले कुछ समय में 200 से अधिक लग्जरी गाड़ियां चोरी कर मेरठ के नदीम गैंग को भेज चुके हैं। याहया नदीम गैंग का ही रिसीवर है। लग्जरी कार के बदले नदीम गैंग दो लाख रुपये देता था। याहया को एक गाड़ी दिल्ली से मेरठ ले जाने के बाद 30 हजार रुपये दिए जाते हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

मध्य जिला पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सेन ने बताया कि जिले के एएटीएस को सूचना मिली कि वाहन चोरों का गैंग यूनिटी एंक्लेव, सेक्टर-28, रोहिणी के पास आने वाला है। इन लोगों ने एक खाली प्लाट में चोरी की क्रेटा कार खड़ी की हुई है। सूचना के बाद टीम ने मौके पर जाल बिछा दिया। इस दौरान जैसे ही आरोपी जयंत कार लेने आया, उसे दबोच लिया गया। जांच के दौरान क्रेटा कार बिंदापुर इलाके से चोरी मिली। आरोपी जयंत ने बताया कि कार उसने अपने साथी प्रमोद नागर के साथ मिलकर चोरी की थी। वह प्रमोद और दीपक नामक युवकों के साथ मिलकर कारें चोरी करते हैं। बाद में इनको मेरठ के नदीम गैंग को बेच दिया जाता है। क्रेटा कार से पुलिस को एक किया-सेल्टोस कार की नंबर प्लटि मिली। उसे इन लोगों ने मोहन गार्डन इलाके से चोरी किया था। जयंत को रिमांड पर लिया गया। उसने बताया कि नदीम गैंग का रिसीवर याहया कार लेने दिल्ली आने वाला है। जानकारी जुटाने के बाद आरोपी को रोहिणी जेल के पास से दबोच लिया गया। उसके पास से चोरी की एक ब्रेजा कार बरामद हुई। ब्रेजा विजय विहार इलाके से चोरी मिली। याहया की निशानदेही पर एक आई-20 कार व स्कूटर बरामद हुआ। प्रमोद ने स्कूटर चोरी कर याहया को 40 हजार में बेचा था। स्कूटर से पहले रैकी की जाती थी।

पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। जयंत ने बताया कि वह 12वीं कक्षा पास है। पहने वह बाउंसर का काम करता था। लेकिन रुपयों के लालच में वह वाहन चोर बन गया। वहीं मेरठ का रहने वाला याहया सऊदी अरब में चालक की नौकरी करके भारत आया था। इसके बाद आकर वह नदीम गैंग के साथ मिलकर चोरी के वाहनों को दिल्ली से लाने का काम करने लगा।

होली के लिए हाई अलर्ट में दिल्ली के अस्पताल, इमरजेंसी में डॉक्टर रहेंगे तैनात

होली को लेकर लोकनायक, डीडीयू, सफदरजंग, आरएमएल, एम्स, लेडी हार्डिंग, अंबेडकर, बाबू जगजीवन राम, संजय गांधी, जीटीबी सहित तमाम बड़े अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही ट्रामा सेंटर सेवाओं को भी सक्रिय रहने की सलाह दी गई है।

नई दिल्ली। होली को लेकर दिल्ली के सभी अस्पताल हाई अलर्ट पर रहेंगे। इस दिन सड़क दुर्घटना के अलावा रंगों से एलर्जी व अन्य के मामले बढ़ जाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि होली की एक रात पहले से अस्पताल की आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीजों की संख्या में 15 से 50 फीसदी तक बढ़ जाता है।

इसे लेकर लोकनायक, डीडीयू, सफदरजंग, आरएमएल, एम्स, लेडी हार्डिंग, अंबेडकर, बाबू जगजीवन राम, संजय गांधी, जीटीबी सहित तमाम बड़े अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही ट्रामा सेंटर सेवाओं को भी सक्रिय रहने की सलाह दी गई है। पूर्वी दिल्ली में चाचा नेहरू अस्पताल और जीटीबी अस्पताल में होली को देखते हुए आपातकालीन वार्ड में बच्चों के लिए भी अलग से व्यवस्था की गई है।

लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि होली को देखते हुए अस्पताल का आपातकालीन विभाग अलर्ट पर रहेगा, अतिरिक्त बेड की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि होली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं के मामले बढ़ जाते हैं। इसके अलावा रंगों से एलर्जी व अन्य के मामले भी काफी आते हैं। वहीं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के इमरजेंसी विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि होली के अवसर पर मरीजों की संख्या डेढ़ तक बढ़ जाती है। अक्सर ये यह लोग नशे में धुत होते हैं और अस्पताल में आकर भी खूब हुड़दंग मचाते हैं। डॉक्टरों को ठीक ढंग से इलाज तक नहीं करने देते। ऐसे में इनका इलाज करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

उनका कहना है कि होली से एक रात पहले से अस्पतालों में आने वाले दुर्घटना के मामले 75 फीसदी शराब के कारण होते हैं। इसके अलावा पानी के गुब्बारे मारने के कारण होने वाली दुर्घटना, आंखों में रंग जाने के मामले भी आते हैं।

खेलेंगे सुरक्षित होती तो नहीं होगी समस्या

डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में त्वचा विभाग के प्रमुख डॉ. करीब सरदाना ने कहा कि यदि सुरक्षित तरीके से होली खेलेंगे तो किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। केमिकल रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे त्वचा रोग की समस्या हो सकती है। प्रकृति रंगों से होली खेलने से पहले नारियल तेल जरूर लगा लें। इससे रंग शरीर पर नहीं चढ़ेगा। साथ ही एलर्जी की समस्या भी नहीं होगी। जिन लोगों को अस्थमा या रंगों से एलर्जी है, उन्हें रंगों से परहेज करना चाहिए। यदि होली खेलते भी हैं तो कम समय के लिए खेलना चाहिए।

90 फीसदी तक आते हैं आंखों के मामले

होली के दिन रंगों के गलत इस्तेमाल के कारण ज्यादातर मामले आंखों से जुड़े आते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लोगों को होली खेलने से पहले बिना पावर का चश्मा पहन लेना चाहिए जिससे रंग आंखों में न जा पाए। यदि कोई दिक्कत होती है तो तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

राजधानी में दरोगा के बेटे ने की आत्महत्या, पुलिस को बिना बताए किया अंतिम संस्कार, जानिए वजह

परिजनों ने पुलिस को बिना बताए मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया है। वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता दिल्ली पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। वहीं, थाना प्रभारी ने मामले की जानकारी होने से इंकार किया है।

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गुलावठी थाना क्षेत्र के एक गांव में दिल्ली पुलिस के दरोगा के पुत्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। परिजनों ने पुलिस को बिना बताए मंगलवार सुबह उसका अंतिम संस्कार कर दिया। उधर, पुलिस ने घटना की जानकारी होने से इंकार किया है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक गांव में ही स्थित इंटर कॉलेज में कक्षा 12वीं का छात्र था। बताया गया कि सोमवार देर रात उसका अपने परिजनों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद उसने अपने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली।

गोली की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो उसका शव कमरे में लहुलहुहान हालत में पड़ा हुआ था। बताया जा रहा है कि देर रात वह एक समारोह से वापस लौटा था, जिसके बाद उसका परिजनों से विवाद हुआ था। युवक की मौत के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने पुलिस को बिना बताए मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया है। वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता दिल्ली पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। वहीं, थाना प्रभारी ने मामले की जानकारी होने से इंकार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया है। कोई शिकायत पुलिस से नहीं की गई है।

गृह क्लेश में महिला ने जहर खाकर दी जान

नरौरा थाना क्षेत्र के गांव नगला बेलौन में जहर खाने से एक महिला की मौत हो गई। नगला बेलौन निवासी शशि भारद्वाज का सोमवार को किसी बात को लेकर परिजनों से कलह हो गई थी। जिसके बाद शशि भारद्वाज ने अपने कमरे में जाकर जहर खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों को मामले की जानकारी हुई। परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर मेडिकल सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

शॉर्ट टर्म कोर्सेज में दाखिले के लिए आवेदन शुरू, 15 अप्रैल तक कर सकते हैं अप्लाई

नई दिल्ली। खास बात यह है कि छात्रों के पास पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान किस्तों में करने का विकल्प है। वहीं हंसराज कॉलेज में उपलब्ध अल्पकालिक कोर्सेज के लिए भी आवेदन शुरू हो गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में कम समय में ही प्रभावशाली अनुभव प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों (शॉर्ट टर्म कोर्सेज) में दाखिले के लिए आवेदन की रेस शुरू हो गई है। इन कोर्सेज में 12 वीं पास छात्र आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल है। खास बात यह है कि छात्रों के पास पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान किस्तों में करने का विकल्प है। वहीं हंसराज कॉलेज में उपलब्ध अल्पकालिक कोर्सेज के लिए भी आवेदन शुरू हो गए हैं। इसके लिए हंसराज कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न लघु पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑफलाइन लिया जा सकता है। सर्टिफिकेट प्रोग्राम में दाखिला विभिन्न कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों के अलावा सभी बारहवीं पास उम्मीदवारों के लिए खुला है। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग में विभिन्न व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम और अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट 26 कोर्सेज चलते हैं। यह ऐसे कोर्सेज हैं जो कि उद्योग प्रशिक्षण भागीदारों के सहयोग से कराए जाते हैं। ज्यादातर पाठ्यक्रमों के लिए कक्षाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से उपलब्ध हैं। तीन से दस महीने की अवधि वाले यह पाठ्यक्रम छात्रों के लिए लाभदायक हैं, क्योंकि इन्हें करने से कम समय ही प्रभावशाली अनुभव मिलता है। खास बात यह है कि कॉलेज के नियमित घंटों के बाद व सप्ताहांत में ऑफलाइन और ऑनलाइन कक्षाओं के विकल्प के साथ इन्हें किया जा सकता है। कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में 2023 सत्र के लिए छात्र केशवपुरम में स्थित कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग में उपलब्ध इन कोर्सेज के लिए आवेदन कर सकते हैं। डीयू-सीओएल के इन पाठ्यक्रमों की पूरी सूची इस वेबसाइट https://col.du.ac.in/course.php पर देखी जा सकती है। सीओएल के अलावा, छात्र हंसराज कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले अल्पावधि ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

दिल्ली के रेड लाइट एरिया में हुई घटना, दो लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। अज्ञात पुरुष ने जीबी रोड के 52 नंबर कोठे पर फायरिंग की है। सूत्रों का कहना है कि जिन को गोली लगी है वह भी जीबी रोड में ही काम करते हैं।

दिल्ली के रेड लाइट एरिया जीबी रोड पर मंगलवार कोठे पर आए कुछ लड़कों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले के दौरान कोठे पर काम करने वाली महिला और एक अन्य युवक गोली लगने से बुरी तरह जख्मी हो गए। घायल राधा (30) और इमरान चौधरी (26) को पीसीआर की मदद से एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां राधा की हालत नाजुक बनी हुई है।

गोली चलने की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से मामले की छानबीन कर रही है। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि रुपयों को लेकर आरोपियों की राधा से कहासुनी हुई थी, जिसके बाद इन्होंने गोली चलाई।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 2.00 बजे पुलिस को सूचना मिली कि जीबी रोड स्थित कोठा नंबर-52 पर कुछ लोगों ने गोलियां चला दी हैं। हमले में कई लोगों को गोली लगी है। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को राधा और इमरान जख्मी हालत में मिले। राधा के सीने व इमरान के कंधे पर गोली लगी थी।

घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि कोठा नंबर-52 की संचालिका पार्वती नामक महिला है। मंगलवार दोपहर को दो बजे लड़के कोठे पर आए थे। राधा से बातचीत के दौरान इनकी रुपयों को लेकर उससे कहासुनी हो गई। इस दौरान एक लड़के ने पिस्टल निकालकर उस पर गोली गोलियां बरसा दीं। एक गोली राधा व दूसरी गोली पास में खड़े युवक इमरान को लगी। इमरान भी कोठे पर काम करता है। वारदात के बाद आरोपी पैदल ही अजमेरी गेट की ओर भाग गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से अहम सुराग मिले हैं। उसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

चोरी के शक में युवक को जमकर पीटा, फिर ट्रीमिंग मशीन से कर दिया गंजा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र से युवक को लोगों द्वारा चोरी के शक में पकड़कर जमकर पीटने की खबर सामने आ रही है। आरोप है कि उसकी तबीयत बिगड़ने के बावजूद आरोपियों ने उसकी लगातार पिटाई की और ट्रीमिंग मशीन से उसका सिर मूंड कर गंजा कर दिया। इस मामले में ट्विटर पर गाजियाबाद पुलिस को शिकायत की गई थी। टीला मोड़ थाना पुलिस ने तत्काल वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी सलमान, शाहरुख, अनिल, जयकिशन और वाजिद को गिरफ्तार कर लिया है। घायल युवक का आरोप है कि आरोपियों ने एक विशेष धर्म को आहत करने के इरादे से यह गलत काम किया था। एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा ने बताया कि वायरल वीडियो में आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

चार साल से ब्राजील में फंसे सिकंदराबाद के प्रो. महेश, यूनिवर्सिटी पर शोषण का आरोप, PMO से मांगी

बुलंदशहर। वेतन दिए जाने के लिए बार-बार यूनिवर्सिटी प्रशासन और उक्त प्रोफेसर से संपर्क करने पर उन्हें जून 2019 में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बताया कि आपको विज्ञापन के अनुसार 5780 का वेतन दिया जाएगा। तभी से वह कम वेतन पर काम कर रहे हैं। सिकंदराबाद से बेहतर भविष्य का सपना लेकर ब्राजील में शिक्षा के क्षेत्र में नौकरी करने के लिए गए कोतवाली क्षेत्र के गांव नगलाकाला निवासी डॉ. महेश ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर शोषण किए जाने का आरोप लगाया है। पिछले चार सालों से वह न्याय के लिए ब्राजील में संघर्ष कर रहे हैं। अब डॉ. महेश ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। वहीं पत्नी व परिजन पिछले चार वर्ष से डॉ. महेश के घर वापस लौटने की बाट जोह रहे हैं। क्षेत्र के गांव नगलाकाला निवासी डॉ. महेशचंद पुत्र ओमप्रकाश ने फोन पर बताया कि नई दिल्ली राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला से उन्होंने पीएचडी की डिग्री हासिल की है। पीएचडी करने के दौरान ब्राजिला फेडरेशन विश्वविद्यालय से विजिट पर आए प्रोफेसर से उनकी मुलाकात हुई। प्रोफेसर ने उन्हें आकर्षक वेतन पर अपनी यूनिवर्सिटी में नौकरी के लिए ऑफर दिया। अप्रैल 2019 में वह यूनिवर्सिटी ऑफ ब्राजिलिया चले गए। 11 अप्रैल 2019 को उन्होंने यूनिवर्सिटी के साथ 16,199 ब्राजिलियन रियाल के वेतन के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। पांच माह तक उन्हें वेतन नहीं दिया गया। वेतन दिए जाने के लिए बार-बार यूनिवर्सिटी प्रशासन और उक्त प्रोफेसर से संपर्क करने पर उन्हें जून 2019 में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बताया कि आपको विज्ञापन के अनुसार 5780 ब्राजीलियन रियाल का वेतन दिया जाएगा। तभी से वह कम वेतन पर काम कर रहे हैं। अनुबंध के अनुसार वेतन दिए जाने की मांग को लेकर उन्होंने भारतीय दूतावास में भी संपर्क किया। लेकिन उन्हें कोई खास मदद नहीं मिली। जिसके बाद उन्होंने कोर्ट में इस संबंध में अर्जी लगाई। महेशचंद ने बताया कि उन्होंने पीएमओ कार्यालय को ट्वीट कर मदद की गुहार लगाई है।

आपत्तिजनक स्थिति में स्कूटी चलाने से रोकने पर की पिटाई, घायल मुनीम ने तोड़ा दम

एनटीवी न्यूज

स्कूटी सवार युवक से विवाद के बाद घायल मुनीम विनय उर्फ विराट (27) ने सोमवार तड़के दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

गाजियाबाद। साहिबाबाद के लाला लाजपत राय कॉलेज के बाहर सोसायटी परिसर में स्कूटी सवार युवक से विवाद के बाद घायल मुनीम विनय उर्फ विराट (27) ने सोमवार तड़के दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा। परिवार ने प्रशासन से मदद की मांग की है।

लाजपत नगर निवासी बंटी ने बताया कि शनिवार दोपहर एक बजे करीब वह एलआर कॉलेज के पास दुकान पर सामान लेने गया था। वहां मनीष नाम का युवक किसी युवती के साथ आपत्तिजनक हालत में स्कूटी चला रहा था। इस पर सोसायटी परिसर में रहने वाले विराट उर्फ विनय मिश्र ने उन्हें ऐसा करने से मना किया जिस पर मनीष भड़क गया और उसने फोन करके अपने अन्य साथियों को बुला लिया। आरोप है कि गुस्साए मनीष ने अन्य साथियों के साथ विराट पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। आसपास के लोगों के साथ बंटी भी घायल को बचाने के लिए दौड़े तो आरोपी उन पर भी हमला कर फरार हो गए। घायल विराट की हालत गंभीर थी। जहां सोमवार तड़के उसने दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पिता सुदामा ने बताया कि विनय साहिबाबाद सब्जी मंडी में आढ़ती के पास मुनीम था और वही घर का खर्चा करता था। एसीपी साहिबाबाद भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर मनीष, मनीष, गौरव, विपुल कसाना, पंकज और आकाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। परिवार को हर सम्भव मदद दी जाएगी।

विदेशी बन शातिर ने भारत घूमने के नाम पर 17 लाख ठगे, पीड़ित ने दर्ज कराई एफआई

गाजियाबाद। विदेशी नागरिक बनकर भारत घूमने का झांसा देकर एक बार फिर से ठगी करने का मामला सामने आया है। साइबर अपराधियों ने वेव सिटी क्षेत्र के सेक्टर-दो निवासी फईम अंसारी से ठगी की वारदात की। शातिर ने पहले फईम से सोशल मीडिया पर दोस्ती की। इसके बाद भारत घूमने की इच्छा जाहिर कर मुंबई एयरपोर्ट पर आकर कस्टम विभाग के पकड़े जाने का डर दिखाकर रकम ऐंठ ली। ठगी का पता चलने पर मामले में उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

फईम अंसारी का कहना है कि कुछ दिन पहले उनके पास व्हाट्सएप पर डॉ. क्लिंटन नाम के व्यक्ति का मेसेज आया। जिसने खुद को यूएसए का नागरिक बताया। उनके बीच काफी बातचीत हुई। दोस्ती होने के कुछ दिन बाद विश्वास में लेकर उसने उनसे भारत आने की इच्छा जाहिर की। फईम ने इस पर उससे कहा कि वह दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने साथी को उन्हें लेने भेज देंगे। फईम का कहना है कि डॉ. क्लिंटन ने उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पहुंचकर कहा कि वह यहां से दिल्ली के लिए फ्लाइट लेंगे। लेकिन मुंबई एयरपोर्ट पर विदेशी करेंसी और कीमती सामान लाने पर उन्हें कस्टम विभाग के अधिकारियों ने रोक लिया है।

ऐसा कहकर डॉ. क्लिंटन ने उनसे कहा कि अगर वह उन्हें कुछ रुपये भेज दें तो अधिकारी उन्हें छोड़ देंगे। उन्होंने रुपये भेजने को कहा तो क्लिंटन ने अपने साथी का नंबर देकर रुपये ट्रांसफर करने को कहा। ऐसा करके उसने उनसे कई बार में 17 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर उन्होंने साइबर सेल में शिकायत कर वेव सिटी थाने में केस दर्ज कराया है। एसीपी वेव सिटी रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि मामले में साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

आईएएस अनीता यादव से मांगे पांच करोड़, आरोपी ने एक मामले में क्लीन चिट दिलाने की पेशकश की

एनटीवी संवाददाता

आईएएस अनीता यादव ने कहा कि एंटी करप्शन ब्यूरो में चल रहे विचाराधीन मामले में वह और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ स्तर के नौकरशाह शामिल हैं। ऐसे में जिस तरह दो दिन से फोन पर कॉल आई हैं। उससे वह बेहद सदमे में हैं।

गुरुग्राम। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा की जा रही करोड़ों रुपये के घोटाले के मामले में आईएएस अनीता यादव को क्लीन चिट दिलाने के नाम पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आईएएस ने इस संबंध में गुरुग्राम के सेक्टर-50 थाना में शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दरअसल, एक सप्ताह पहले ही एंटी करप्शन ब्यूरो को दो महिला आईएएस अधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों से पूछताछ करने की अनुमति मिली थी। जिसमें एसीबी ने जांच शुरू ही की थी कि आईएएस अनीता यादव को धमकी भरा कॉल आया। सेक्टर-50 थाना पुलिस में दी शिकायत में आईएएस अधिकारी अनीता यादव ने कहा कि वह यहां गुरुग्राम के सेक्टर-46 के मकान नंबर 1337 में रहती है। उसके पास 3 मार्च को ऋषि नाम के युवक का फ्रॉड कॉल आई। जिसमें उसने मुझसे एंटी करप्शन ब्यूरो में चल रहे मामले में क्लीन चिट दिलाने की एवज में पांच करोड़ रुपये मांगे। आरोपी ने कहा कि उसे किसी राजनेता ने अनीता यादव से संपर्क करने का निर्देश दिया था। इसके बाद उक्त व्यक्ति फिर से 4 मार्च को महिला अधिकारी से संपर्क किया और उसे धमकी दी कि अगर उसने भुगतान नहीं किया तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। अनीता यादव ने दूसरे फोन के माध्यम से बातचीत रिकॉर्ड की है और मैं ऑडियो वीडियो पुलिस के समक्ष पेश की।

अनीता यादव ने कहा कि एंटी करप्शन ब्यूरो में चल रहे विचाराधीन मामले में वह और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ स्तर के नौकरशाह शामिल हैं। ऐसे में जिस तरह दो दिन से फोन पर कॉल आई हैं। उससे वह बेहद सदमे में हैं और वह अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित है। बता दें कि महिला आईएएस अधिकारी फरीदाबाद में तैनात थी तो उन पर एंटी करप्शन ब्यूरो में एक मामला विचाराधीन है। जिसमें प्रदेश सरकार के वरिष्ठ स्तर के नौकरशाह शामिल हैं। वहीं मामले में पुलिस कमिश्नर कला रामचंद्रन का कहना है कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में आरोपी की पहचान करने बाद उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

इनसाइड

होलिका दहन : 40 किवंटल लकड़ी से जलेगी होलिका

गाजियाबाद। इस बार होलिका दहन के लिए ढाई घंटे तक शुभ मुहूर्त रहेगा। छह मार्च को भद्रा होने के कारण इस बार सात मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। दूधेश्वरनाथ मंदिर के आचार्य लक्ष्मीकांत पाढी ने बताया कि सात मार्च को भद्रा सुबह 5:15 बजे तक खत्म हो जाएगी। इसके बाद होलिका दहन और पूजन के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहेगा। पंडित अरविंद शुक्ला शास्त्री ने बताया कि मंगलवार को शाम 06:24 से लेकर रात 08:51 तक शुभ मुहूर्त रहेगा। इस समय में होलिका दहन प्रदोष काल में उदय व्यापिनी पूर्णिमा के बगैर होगा क्योंकि सात मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 06:09 पर खत्म हो जाएगी। होलिका दहन के लिए शुभ समय दो घंटा 27 मिनट तक रहेगा। लक्ष्मीकांत पाढी ने बताया कि यह मुहूर्त लाभ- उन्नतिदायक रहेगा।

40 क्विंटल लकड़ी की जलेगी होलिका, 800 किलो का बंटेगा हलवा

होली वाली गली में 40 क्विंटल लकड़ी और 100 पराली के बंडल से होलिका जलाई जाएगी। शहर की सबसे बड़ी और पुरानी होली में सुबह से ही 800 किलो हलवे का प्रसाद बंटना शुरू हो जाएगा। आयोजक उस्ताद अशोक गोयल ने बताया कि होलिका दहन से पहले सुबह 11:00 बजे से मेला लगेगा। इसमें सभी को हलवे का प्रसाद बांटा जाएगा। होलिका दहन 8:50 पर होगा।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में शाम 7:00 बजे जलेगी होलिका

दूधेश्वरना मंदिर में मंगलवार से तीन दिवसीय होली महोत्सव का शुभारंभ होगा। आचार्य लक्ष्मीकांत पाढी ने बताया कि मंदिर में शाम को 7:00 बजे होलिका जलाई जाएगी। 9:00 बजे तक कार्यक्रम होगा। बुधवार को सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक यज्ञ होगा। तीन बजे से पंखा शोभायात्रा निकाली जाएगी। नौ मार्च को दोपहर 1:00 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 10 मार्च को भी मंदिर में भंडारे का आयोजन होगा।

मीटर रीडरों के फर्जीवाड़े से आरडीएफ कनेक्शनों की संख्या बढ़ी

गाजियाबाद। ऊर्जा निगम में मीटर रीडरों के फर्जीवाड़े से आरडीएफ (रीडिंग डिफेक्टिव) कनेक्शनों की संख्या बढ़ रही है। इसकी वजह से न सिर्फ उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि ऊर्जा निगम के अधिकारियों को भी बिल ठीक कराने में मशक्कत करनी पड़ रही है। मुरादनगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ताओं के बिल घर पर न जाने की बजाय फर्जी रीडिंग दर्ज करके बना दिए जाने से दिक्कतें बढ़ी हैं। ऊर्जा निगम के अधिकारियों की जांच में भी इसका खुलासा हुआ है। मेरठ के रहने वाले शिव कुमार शर्मा की शिकायत पर मामले की जांच कराई गई थी। आरोप था कि बिजली मीटर की रीडिंग लेने रीडरों को घर पर जाकर रीडिंग लेनी चाहिए, लेकिन बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिल बिना मीटर रीडिंग लिए बना दिए गए हैं।

नहीं रुक रहीं लूट की घटनाएं, एसोसिएट फैकल्टी मेंबर की पत्नी से लूटी चेन

पीड़िता सरिता ने बताया कि वह पैदल ही पति के साथ जैसे घर के पास पहुंची। तभी बाइक पर सवार दो लुटेरों ने गले पर झप्पटा मारकर चेन लूट ली।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम के शक्तिखंड 3 में मंगलवार सुबह 11:30 बजे बाइक सवार कुटरों ने उद्यमिता संस्थान के एसोसिएट फैकल्टी मेम्बर की पत्नी सरिता सिंह से सोने की चेन लूट ली। वह पति के साथ मार्किट से शॉपिंग कर घर लौट रही थीं। इंदिरापुरम थाना पुलिस लुटेरों की तलाश में जुटी है। सरिता ने बताया कि वह पैदल ही पति के साथ जैसे घर के पास पहुंची। तभी बाइक पर सवार दो लुटेरों ने गले पर झप्पटा मारकर चेन लूट ली। हालांकि चेन में लगा लॉकेट सड़क पर गिर गया लेकिन लुटेरे पौने दो तोले की चेन लूट ले गए। उन्होंने लुटेरों को पकड़ने के लिए शोर मचाया। मगर उन्हें पकड़ने में कामयाबी नहीं मिली। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि लुटेरों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे चेक किये जा रहे हैं। लुटेरों को जल्दी पकड़ने के लिए टीम लगी है।

साइबर ठगों ने एसबीआई के एटीएम से 1.60 करोड़ रुपए निकाले, 53 दिन में धोखाधड़ी को दिया अजांम

मेरठ। मेरठ में साइबर अपराधियों ने बैंक को ही करोड़ों का चूना लगा डाला। यहां शहर भर के पांच एटीएम से तकरीबन डेढ करोड़ की रकम निकाल ली गई। अब बैंक प्रबंधक ने कोर्ट से मामले में कार्रवाई कराने की गुहार लगाई है।

साइबर अपराधियों ने मेरठ में एसबीआई को तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपए का चूना लगा दिया। शहर भर के 5 एटीएम से 53 दिन में 1.7 करोड़ रूपया निकाल लिया। मामले की जानकारी लगने पर बैंक ने कोर्ट के माध्यम से मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कि मेरठ छावनी शाखा प्रबंधक की ओर से न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में प्रार्थना पत्र पत्र दिया गया। इस प्रार्थना पत्र के अनुसार 26 सितंबर से 19 नवंबर 2021 के बीच मेरठ शहर के 5 एटीएम से 2366 ट्रांजैक्शन हुई थी, इनमें से ज्यादातर संदिग्ध है।

इन सभी ट्रांजैक्शन के लिए 25 से 30 एटीएम का इस्तेमाल किया गया और डेढ़ करोड़ से ज्यादा की रकम निकाली गई। छानबीन शुरू हुई तो लेनदेन संदिग्ध पाया गया। इसके बाद कोर्ट में बैंक द्वारा इसकी शिकायत की गई। मामले पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराने के आदेश मेरठ पुलिस को दिए हैं। वही मेरठ के सदर थाने में पुलिस इस मामले की को लेकर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल द्वारा पूरे मामले की छानबीन की जाएगी।

कई वेरिएंट्स बंद होने के बाद भी कायम है टाटा की इस कार का जलवा , बनी लोगों की पहली पसंद

एसयूवी हो या हैचबैक हर किसी सेगमेंट में कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। लोगों द्वारा टाटा की गाड़ियों को काफी पसंद किया जाता है। नेक्सन का टाटा की कुल बिक्री में मार्केट शेयर 30 .10 प्रतिशत का रहा है।

भारतीय बाजार में टाटा का नाम आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रहा है, यू कहे तो इसकी बादशाहत आज तक कायम है। एसयूवी हो या हैचबैक हर किसी सेगमेंट में कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। लोगों द्वारा टाटा की गाड़ियों को काफी पसंद किया जाता है। वहीं अब कंपनी इलेक्ट्रिक कार में भी धूम मचा रही है। दिसंबर के महीने में कंपनी ने 12053 यूनिट्स की सेल की है। इस सेल में सबसे अधिक टाटा की नेक्सन है। अगर दिसंबर 2021 के सेल पर नजर डाली जाए तो कंपनी ने 6.56 प्रतिशत की ग्रोथ की है। वहीं नेक्सन का टाटा की कुल बिक्री में मार्केट शेयर 30.10 प्रतिशत का रहा है।

नेक्सन बनी लोगों की पसंद

अगर नवंबर और अक्टूबर की बात करें तो नेक्सन की सेल टॉप पर रही है। पिछले साल अक्टूबर 2022 में कंपनी ने नेक्सॉन की 13767 यूनिट्स सेल की थी। वहीं नवंबर में इसकी 15871 यूनिट्स की सेल की थी। हालाकिं कंपनी ने साल के आखिरी में कई ऑफर भी पेश किए थे। जिसके कारण दिसंबर में जमकर ब्रिकी हुई थी। वहीं एसयूवी सेगमेंट की बात करें तो कंपनी की अन्य कारों के मुकाबले नेक्सन की ब्रिकी सबसे अधिक रही है।

नेक्सन के बंद हो चुके हैं 6 वेरिएंट

भारतीय बाजार में टाटा नेक्सन को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। वहीं नेक्सॉन की सेल का ये हाल तब है जब टाटा कंपनी ने इसके 6 वेरिएंट बंद कर दिए हैं। आपको बता दे वाहन निर्माता कंपनी ने नेक्सॉन का एक्स जेड, एक्सजेडए, एक्सजेड प्लस ओ, एक्स जेड प्लस ओ, एक्स जेड प्लस ओ डार्क और एक्सजेड प्लस ओ डार्क वेरिएंट को बंद कर दिया है।

नेक्सॉन फिलहाल कुछ 67 वेरिएंट्स में आती है। इसमें 19 पेट्रोल, 18 डीजल के साथ ही कुछ इलेक्ट्रिक और ऑटोमैटिक वेरिएंट शामिल है। इसकी एक्स शोरूम कीमत कीमत 7.70 लाख रुपये से शुरू होती है।

इनसाइड

देर रात घर लौटने का प्लान? कैब का इस्तेमाल करते समय सेफ्टी के लिए जरूर करें ये काम

आपको सबसे गाड़ी के नंबर की तस्वीर और अपने गाड़ी का लाइव ट्रिप शेयरिंग को अपने किसी करीबी को अपडेट करते रहना है। ताकि इमरजेंसी के दौरान आप तक वे आसानी से पहुंच सकें। कैब एप्लिकेशन में शेयरिंग ट्रिप का ऑप्शन भी आता है।

नई दिल्ली। पूरे देश में इस समय नए साल के जश्न का माहौल है। नए साल के दौरान पार्टी ऑल नाइट होती है, जहां क्लब, पब, रेस्तरां आज सारी रात खुले हुए होते होंगे। ऐसे में बहुत से लोग पार्टी वाले स्थान पर पहुंचने और वहां लौटने के लिए कैब फैसिलिटी का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे ऐसे में कैब का इस्तेमाल करते समय किन किन सावधानियों को बरतने की जरूरत है उसके बारे में आपको यहां बताने जा रहे हैं, ताकि आपका नया साल शुभ रहे।

कैब में बैठते ही तुरंत करें ये काम

देर रात हो गई है और आप अपने घर सुरक्षित पहुंचना चाहते हैं तो आपको सबसे गाड़ी के नंबर की तस्वीर और अपने गाड़ी का लाइव ट्रिप शेयरिंग को अपने किसी करीबी को अपडेट करते रहना है। ताकि, इमरजेंसी के दौरान आप तक वे आसानी से पहुंच सकें। कैब एप्लिकेशन में शेयरिंग ट्रिप का ऑप्शन भी आता है, जिसको सेंड पर आपके रियल टाइम लोकेशन के बारे में आपके घर वालों को पता रहेगा।

बीच-बीच में लोकेशन को चेक करते रहें

अगर आप नए साल पर या फिर उसकी पूर्व संध्या पर कैब का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको कैब में बैठने के बाद अपनी रूट को चेक करते रहना होगा, इसके अलावा कैब एप्लिकेशन को चेक करते रहना होगा, ताकि आपको पता रहे कि गाड़ी किस दिशा में जा रही है और गंतव्य तक पहुंचने में कितना समय लगेगा इसका अंदाजा आप लगा सकें।

इसके अलावा, आपको एहतियाती उपाय के रूप में कैब बुक करने से पहले ग्राहक सेवा या सुरक्षा लाइनों के लिए फ़ोन नंबर सुनिश्चित करना चाहिए। इन नंबरों का उपयोग आपातकालीन स्थिति में किया जा सकता है, जैसे सेवा या फीडबैक के संबंध में शिकायत दर्ज करना।

होंडा हो या मारुति, कम खर्च में भी फर्राटे से दौड़ेगी आपकी कार, अपनाएं ये तरीका

कार लेने का सपना हर किसी का होता है। लेकिन कार लेने तक ही नहीं उसकी मेंटेनेंस में भी काफी खर्च आता है। अगर आप अपने लिए कोई लो मेंटेनेंस वाली कार खरीदना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। गाड़ी छोटी हो या बड़ी पर लोगों के भावों से जुड़ी रहती है। कार खरीदना आसान होता है पर उसकी मेंटेनेंस काफी महंगी होती है। अगर आप अपने लिए कोई लो मेंटनेस वाली कार खरीदना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए उन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आ रहे हैं। अगर आप अपने लिए एक ऐसी गाड़ी लेते हैं जिसकी सर्विसिंग, पाट्र्स या ईकानमी कम है तो आपको मेंटेनेंस के नाम पर ही साल भर में हजारों रुपये खर्चने पड़ते हैं।

Hyundai Grand i10 Nios

भारतीय बाजार में हुंडई ग्रांड i10 Nios 998सीसी डिसप्लेसमेंट में 4 सीटर गाड़ियों में सबसे किफायती कार है। इसकी कीमत भारतीय बाजार में 5.48 लाख रुपये से शुरु होती है। ये कार पहले साल में औसतन सिर्फ 1475 रुपये ही खर्च कराती है। 5 साल या 50 हजार किलोमीटर की बात करें तो ये सिर्फ खर्च में 16 हजार रुपये तक पहुचता हैं।

Maruti Suzuki Dzire

भारतीय बाजार में मारुति की कार को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। इसका एक लीटर की एवरेज पर 24 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।इसकी मेंटेनेंस कास्ट की बात करें तो 1197 सीसी डिस्प्लेसमेंट वाली ये 5 सीटर कार पहले साल में सिर्फ 1892 रुपये का खर्च लेती है। पांच साल या 50,000 किलोमीटर में यह आंकड़ा मात्र 25 हजार रुपये ही होता है। मारुति सुजुकी डिजायर सिर्फ 6 लाख 24 हजार से शुरु होती है।

Tata Nexon

अब बात स्टाइल और पावर की करें तो इसमें इस कार का कोई जवाब नहीं है। ग्लोबल NCAP से सेफ़्टी में 5 स्टार रेटिंग जीतने वाली टाटा नेक्सन किसी भी कार में पीछे नहीं है। 1197 सीसी की टाटा नेक्सन में पहले साल या 15 हजार किलोमीटर में पहली सर्विस पर सिर्फ 3350 रुपये लगते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 7.70 लाख रुपये से शुरू होती है।

Honda Amaze

सेडान कार की करें तो होंडा अमेज का अपना ही नाम है। ये 1199 सीसी डिस्प्लेसमेंट की होंडा अमेज सिर्फ 6 लाख 63 लाख से शुरू होती है। इसकी पहली सर्विस 6 महीने या 10 हजार किलोमीटर पर होती है। जिसका खर्च मात्र 1298 हजार रुपये आता है।

Renault Triber

ये एक 7 सीटर कार है। इंडियन मार्केट में ये सबसे किफायती कार में से एक है। शानदार स्टाइल के साथ ये 998 सीसी के इंजन डिसप्लेसमेंट में भी यह गाड़ी अच्छी पावर जनरेट करती है। इसकी पहले साल की मेन्टीनेंस कॉस्ट कुल 1800 रुपये पड़ती है और वहीं पहले 5 साल या 50,000 किलोमीटर चलाने पर इसकी सर्विसिंग की कीमत 27000 के आस -पास होती है।

आपको दीवाना बना देंगे ये किफायती एसयूवी वाहन

भारतीय बाजार में एसयूवी की डिमांड दिन पर दिन काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। अगर आप भी अपने लिए इस नए साल पर एक एसयूवी खरीदने की सोच रहे हैं तो आज हम इन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। इंडियन मार्केट में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (SUV) कारों की डिमांड काफी अधिक है। खासकर कॉम्पैक्ट सेग्मेंट में लोग काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इस सेगमेंट में नेक्सॉन, और मारुति ब्रेजा जैसे वाहन काफी बिके हैं इसके साथ ही निसान मैग्नाइट, रेनॉ किगर और टाटा पंच जैसे किफायती एसयूवी वाहन है जिनकी कीमत 6 लाख रुपये से कम की है। लोग इनकी कीमत और फीचर्स के कारण ही अधिक पसंद करते हैं। आइए एक नजर उनकी खूबियों पर डालते हैं।

Nissan Magnite

यह कॉम्पैक्ट एसयूवी में 1.0-लीटर नेचुरल एस्पायर्ड पेट्रोल मैनुअल (72PS की की पावर और 96 Nm का टॉर्क) 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल मैनुअल (100PS पावर और 160Nm टॉर्क) और 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल सीवीटी इंजन के साथ इंडियन मार्केट में आती है। इसमें 8 इंच टच स्क्रीन, 7 इंच टीएफटी के साथ पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो व एप्पल कारप्ले, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, पुश-बटन स्टॉप/स्टार्ट, जेबीएल साउंड सिस्टम, क्रूज कंट्रोल जैसे दमदार फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए ASEAN NCAP टेस्ट में 4 स्टार रेटिंग मिली है। इसमें सेफ्टी फीचर्स के तौर पर डायनेमिक्स कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, एबीएस, रिवर्स पार्किंग कैमरा, रिवर्स पार्किंग सेंसर है। इसकी कीमत 5.97 लाख रुपये है। ये माइलेज 20.0 kmpl का देती है ।

Renault Kiger

भारतीय बाजार में Renault Kiger की RXT(O) वैरिएंट अब 1.0-लीटर के टर्बो पेट्रोल इंजन और मैनुअल या सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ आता है। पहले ये कार 1.0 लीटर के नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है। इसे फिर से अपडेट किया गया था। इसका इंजन 72PS की पावर और 96Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें

Renault Kiger की RXT(O) वैरिएंट अब 1.0-लीटर के टर्बो पेट्रोल इंजन और मैनुअल या सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ आती है. पहले ये कार 1.0 लीटर के नेचुरली 8 इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो व एप्पल कारप्ले, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, पुश-बटन स्टॉप/स्टार्ट, जेबीएल साउंड सिस्टम, क्रूज कंट्रोल जैसे खास फीचर्स दिए गए है। इस कार की कीमत 5.99 लाख रुपये है।

TATA Punch

एसयूवी में लोगों को ये कार काफी पसंद आती है। इसमें 1.2 लीटर के पेट्रोल -इंजन का इस्तेमाल किया जाता है, जो 86PS की पावर और 113Nm का टॉर्क जनरेट जनरेट करता है। इसे 5 स्पीड के मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स का इस्तेमाल किया जाता है। फीचर्स के तौर पर इस कार में 7 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट पैनल, ऑटो एयर कंडीशनिंग, ऑटोमैटिक हेडलाइट्स, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्रूज़ कंट्रोल मिलता है। सेफ्टी के लिए डुअल फ्रंट एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर डिफॉगर, रियर पार्किंग सेंसर, एक रियर-व्यू कैमरा और आईएसओफिक्स एंकर मिलता है। इसे सेफ्टी के मामले में 5 स्टार रेटिंग मिली है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 6 लाख रुपये है।

पाक के आर्थिक संकट से दुनिया को सबक

डा. अश्विनी महाजन,

पाकिस्तान के लोगों को समझना होगा कि सरकारों के बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। पाकिस्तान को बचाने का एक ही रास्ता है कि वह अपनी नीतियों को ठीक करे, अपने वित्तीय अनुशासन को सम्भाले, प्रतिरक्षा पर फिजूलखर्ची से बचे, अपने उद्योगों को बचाने की तरफ ध्यान दे, चीन के चंगुल से जल्द से जल्द बाहर आए और भविष्य की चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर की बाकी बची परियोजनाओं को सिरे से खारिज कर दे'

पाकिस्तान अभी तक के अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। पिछले 25 वर्षों में पाकिस्तान पर कर्ज 3 लाख करोड़ रुपए पाकिस्तानी रुपए से बढक़र 2022 तक 62.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच चुका है। पिछले 25 वर्षों में एक तरफ सरकारी कर्ज 14 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी मात्र 3 प्रतिशत की दर से ही बढ़ पाई। इसके चलते सरकारी कर्ज देश की क्षमता से कहीं ज्यादा पहुंच गया है क्योंकि कर्ज पर ब्याज और वापसी की देनदारी 5.2 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गई है, जो कि सरकार की कुल आमदनी से भी कहीं ज्यादा है। हालांकि इमरान खान की सरकार इसी राजकोषीय कुप्रबंधन के चलते गिर गई थी, लेकिन देश की वर्तमान सरकार भी स्थिति को संभालने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है। 18 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने बयान दिया है कि पाकिस्तान की सरकार अपनी देनदारी से पहले ही कोताही कर चुकी है। इस बारे में आर्थिक विशेषज्ञ एक मत हैं कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट के लिए कोई और नहीं, पाकिस्तान के हुक्मरान ही जिम्मेदार हैं।

पाकिस्तान सुजुकी मोटर्स, मिलात ट्रैक्टजर्, इंडस मोटर कंपनी, कंधार टायर एंड रबर कंपनी, निशात चुनियान और फौजी फर्टिलाइजर बिन कासिम समेत पाकिस्तान की अधिकांश बड़ी कंपनियां बंदी की घोषणा कर चुकी हैं। 1600 कपड़ा मिलें 2022 तक बंद हो चुकी थी, जिसके कारण 50 लाख लोग अपनी नौकरी से हाथ धो चुके हैं। बाकी बची कंपनियां भी 50 प्रतिशत क्षमता का ही उपयोग कर पा रही हैं। मजबूरी में पाकिस्तान मदद के लिए कई बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का दरवाजा खटखटा चुका है। आईएमएफ का कहना है कि वो पाकिस्तान को मदद दे सकता है, जब वो उसकी शर्तों को माने। आईएमएफ की शर्त है कि पाकिस्तान 17 हजार करोड़ रुपए के अतिरिक्त कराधान का प्रावधान करे, डीजल पर अतिरिक्त लेवी लगाने की भी आईएमएफ की शर्त है। विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे आईएमएफ की मदद से पाकिस्तान फिलहाल कुछ समय के लिए कर्ज की अदायगी की कोताही से बच जाएगा, लेकिन पाकिस्तान की समस्याओं का स्थायी समाधान इससे होने वाला नहीं है। अर्थशास्त्री पाकिस्तान की दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों तरह की कई नीतियों के आलोचक रहे हैं, और उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की वर्तमान दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। सेना में आवश्यकता से अधिक निवेश करने से लेकर 'मुफ्त उपहार' देने और अस्थिर राजनीतिक वातावरण होने तक कई मुद्दों का जिक्र आता है। पाकिस्तान हुक्मरानों के निर्णयों की बात करें तो ध्यान में आता है कि उनके द्वारा कई नीतिगत फैसले लिए गए जो उसके राजनीतिक हित में थे न कि पाकिस्तान के आर्थिक हित में। सरकारों ने सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए मुफ्तखोरी का रास्ता लिया। वस्तुओं की कीमतों को कम रखने के लिए लोक लुभावन उपायों का उपयोग किया जिससे खजाने पर बोझ बढ़ा, सरकारी सबसिडी का अंधाधुंध इस्तेमाल हुआ। देखा गया कि जहां तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को कम घटाया गया, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमत कम रखने का प्रयास किया। हालांकि इस बात के लिए भारत सरकार की आलोचना भी हुई, लेकिन भारत सरकार और राज्य सरकारों ने राजस्व में इसका फायदा उठाया। अंततोगत्वा हम देखते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और पाकिस्तान कंगाल हो गया।

भारत सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के माध्यम से जो राजस्व जुटाया, उसका उपयोग उसने अपने स्वयं के धन से अधिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने विदेशी ऋणों पर सवार बुनियादी ढांचे का निर्माण किया। पाकिस्तान धनाभाव के चलते अपनी जरूरतों के अनुसार नहीं बल्कि किसी विदेशी शक्ति (चीन) के इशारे पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिससे उसको फायदा तो कम हो रहा लेकिन कर्ज का बोझ इतना बढ़ गया है कि उसको चुकाना पाकिस्तान के बूते से बाहर हो गया। 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (सीपीईसी) इसका जीता जागता उदाहरण है। यह चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है। कुछ बिजली संयंत्र भी इस परियोजना के हिस्से हैं। पाकिस्तान की समस्या उन ऋणों के कारण है जो उनके उस बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए हैं जो पाकिस्तानियों के लिए किसी काम के नहीं थे। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के पास पर्याप्त ग्रिड कनेक्टिविटी ही नहीं है, इसलिए सीपीईसी की बिजली परियोजना पाकिस्तान के किसी काम की नहीं। उसी तरह से अन्य प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर भी पाकिस्तान के लिए पर्याप्त धन जुटाने में अपर्याप्त है। इस ऋण ने केवल पाकिस्तान के लिए भुगतान संतुलन की समस्याएं पैदा कीं और पाकिस्तानी मुद्रा का अभूतपूर्व मूल्यह्रास हुआ। आज, पाकिस्तान की विनिमय दर 261.7 पाकिस्तानी रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर है। पाकिस्तान चीन का इतना ऋणी है कि 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय ऋण में से लगभग 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर चीनी ऋण ही है। पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज 126.3 अरब डॉलर है। पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक ऋण और देनदारियां लगभग 222 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है जो कि पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद का 393.7 प्रतिशत है।

यही नहीं, भारत के साथ प्रतिस्पर्धा में पाकिस्तान सरकार रक्षा क्षेत्र पर जरूरत से ज्यादा खर्च कर रही है। प्रतिरक्षा पर ज्यादा व्यय के बजाय उस धन का उपयोग बेहतर उद्देश्यों के लिए किया जा सकता था। पाकिस्तानी सरकार पर सेना का दबाव शायद उसे प्रतिरक्षा पर खर्च कम करने से रोकता है, लेकिन यह सत्य है कि आज यही फिजूलखर्ची पाकिस्तान के संकटों का कारण बन रही है। पाकिस्तान का मित्र माना जाने वाला चीन भी पाकिस्तान की मदद के लिए आगे नहीं आ रहा। उधर पाकिस्तान के अन्य मित्र देश भी पाकिस्तान को संकट से उबारने के लिए कोई उत्साह नहीं दिखा रहे। समझना होगा कि पाकिस्तान को अपने संकट से खुद ही उबरना होगा। उसके लिए जरूरी है कि पाकिस्तान आतंकवादियों की मदद करने वाली अपनी रणनीति से बाहर आए। पिछले समय में पाकिस्तान की इस प्रवृति के चलते फाइनैन्स ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने लम्बे समय तक पाकिस्तान को ग्रे सूची में रखा और उसकी इन हरकतों के चलते विभिन्न प्रकार के निवेशक भी पाकिस्तान से कन्नी काटने लगे हैं। एक तरफ पाकिस्तान को कोई नया निवेश प्राप्त नहीं हो रहा, कई विदेशी कंपनियां भी पाकिस्तान को छोडने का मन बना रही हैं। पाकिस्तान को अनिवासी पाकिस्तानियों से भी भारी मात्रा में प्राप्तियां होती रही हैं, लेकिन अनिवासी पाकिस्तानी पाकिस्तान की बर्बाद होती अर्थव्यवस्था के चलते अपने धन की सुरक्षा के प्रति चिंतित हो रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान को नई प्राप्तियों में और अधिक कठिनाई आ सकती है। पाकिस्तान के लोगों को समझना होगा कि सरकारों के बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। पाकिस्तान को बचाने का एक ही रास्ता है कि वह अपनी नीतियों को ठीक करे, अपने वित्तीय अनुशासन को संभाले, प्रतिरक्षा पर फिजूलखर्ची से बचे, अपने उद्योगों को बचाने की तरफ ध्यान दे, चीन के चंगुल से बाहर आए और भविष्य की चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर की बाकी बची परियोजनाओं को सिरे से खारिज कर दे।

संपादक की कलम से

मोदी-पराजय का फॉर्मूला

प्रधानमंत्री मोदी से लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और कुछ वक्त के लिए कांग्रेस के चुनावी सलाहकार एवं रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने भाजपा और मोदी को चुनावी चुनौती देने का एक फॉर्मूला बताया है। वह कितना कारगर साबित होगा, यह तो चुनाव ही तय करेंगे, लेकिन उनका दावा है कि विपक्ष के कितने भी गठबंधन तैयार कर लिए जाएं अथवा वे किसी भी तरह की लामबंद राजनीति कर लें, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को पराजित करना फिलहाल संभव नहीं है। प्रशांत ने तब यह दावा किया है, जब विपक्ष के 9 बड़े नेताओं ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के अत्यंत दुरुपयोग के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी को एक साझा पत्र भेजा है। इन नेताओं में शरद पवार, ममता बनर्जी, चंद्रशेखर राव, अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला और उद्धव ठाकरे शामिल हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के अतिरेक दुरुपयोग का हालिया उदाहरण मनीष सिसोदिया का दिया गया है। चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर का विश्लेषण है कि हिंदूवाद, राष्ट्रवाद और विभिन्न लाभार्थी समूह भाजपा की चुनावी जीत की बुनियाद हैं। भाजपा काडर और संघ परिवार इन आधारों को सुरक्षित रखते हैं और सुनिश्चित भी करने में सक्षम हैं। देश में जितने भी हिंदू हैं, उनका आधा हिस्सा भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के मतदाता नहीं हैं। औसतन 38-40 फीसदी वोट ही भाजपा के पक्ष में आते हैं, शेष उनके खिलाफ अलग-अलग पक्षों में बंट जाते हैं। जो विरोधी पक्ष हिंदू हैं, उनमें गांधीवादी, अंबेडकरवादी, सोशलिस्ट और कम्युनिस्ट विचारधारा के भी लोग हैं। हिंदू सिर्फ संघवादी ही नहीं हैं। प्रशांत किशोर का आकलन है कि यदि हिंदूवाद, राष्ट्रवाद और लाभार्थी में से दो आधारभूत वोट बैंक में प्रभावी सेंध लगाई जाए, तो विपक्ष चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी को तगड़ी चुनौती दे सकता है। लाभार्थियों में वे समुदाय और वर्ग शामिल हैं, जिन्हें मुफ्त 5 किलोग्राम अनाज मिल रहा है या उनके बैंक खातों में राशि जमा कराई जा रही है अथवा जिन बहुत छोटे कारोबारियों को मुद्रा लोन मुहैया कराए जा रहे हैं। इन लाभार्थियों में महिलाएं, किसान और गरीब तबके शिद्दत से मोदी और भाजपा के पक्ष में वोट दे रहे हैं। जिन राज्यों में सरकारों ने कल्याण, समाज-सेवा के बेहतर काम किए हैं, स्थानीय गौरव और इतिहास को ज़िंदा रखा है, वे स्थानीय चुनावों में भाजपा के राष्ट्रवाद को पराजित करते रहे हैं। मसलन-पश्चिम बंगाल। लेकिन लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय परिस्थितियां, कई विरोधाभासों के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के पक्ष में रहती हैं। फिलहाल 2024 की संभावनाएं भी ऐसी लगती हैं। प्रशांत का मानना है कि फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्हें सिर्फ विपक्षी गठबंधन के आधार पर पराजित नहीं किया जा सकता। प्रशांत अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में, अप्रासंगिक नेता मान रहे हैं। मौजूदा मुख्यमंत्री काल उनका अंतिम है। उनकी पार्टी भी दरक और टूट रही है। लोगों में उनके प्रति जो सम्मान का भाव होता था, अब व्यापक मोहभंग में तबदील होता जा रहा है। जब एक नेता स्थानीय स्तर पर खारिज कर दिया जाता है, तो उसके राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता-परिवर्तन के आह्वान खोखले और निरर्थक साबित होने लगते हैं। कांग्रेस के संदर्भ में प्रशांत राहुल गांधी को 'सर्वमान्य नेता' मानते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्वीकृति अब भी बहुत दूर है। उनका मानना है कि कांग्रेस को ज़मीनी स्तर पर आंदोलन की तरह अभियान जारी रखने चाहिए। पार्टी लगातार जनमत तैयार करती रहे। कांग्रेस हिंदूवाद और राष्ट्रवाद पर वैचारिक तौर से लोगों को समझाए कि हकीकत क्या है।

08 मार्च का इतिहास

ग्रेगोरी कैलंडर के अनुसार मार्च 08 किसी वर्ष में दिन संख्या 67 है और यदि लीप वर्ष है तो दिन संख्या 68 है। भारत और विश्व इतिहास में 08 मार्च का अपना ही एक खास महत्व है, क्योंकि इस दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी जो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए दर्ज होकर रह गईं हैं। आईये जानते हैं 08 मार्च की ऐसी ही कुछ महत्त्वपूर्ण घटनाएँ जिन्हे जानकर आपका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। एकत्रित तथ्य ऐसे होंगे जैसे : आज के दिन जन्मे चर्चित व्यक्ति, प्रसिद्ध व्यक्तियों के निधन, युद्ध संधि, किसी देश के आजादी, नई तकनिकी का अविष्कार, सत्ता का बदलना, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिवस इत्यादि।

08 मार्च की महत्वपूर्ण घटनाएँ विश्व में ⚡

वर्ष घटना/वारदात/वृत्तांत

1576 स्पेन के राजा फिलिप द्वितीय के एक पत्र में आधुनिक होंडुरास में कोपैन के मय खंडहर का पहला यूरोपीय उल्लेख था।

1618 जर्मन खगोलशास्त्री और गणितज्ञ जोहान्स केपलर ने ग्रहों की गति के तीसरे नियम की खोज की।

1655 वर्जीनिया के नॉर्थम्प्टन काउंटी की अदालत ने इंग्लैंड के उत्तरी अमेरीकानोलीज में जॉनकैसर को कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त दास बना दिया।

1658 उत्तरी युद्धों में विनाशकारी हार के बाद, डेनमार्क-नॉर्वे के राजा फ्रेडरिक तृतीय को शेष बचाने के लिए स्वीडन के लगभग आधे डेनिश क्षेत्र को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1702 इंग्लैंड के राजा विलियम तृतीय की मौत के बाद महरानी ऐनी ने सत्ता संभाली।

1702 डेनमार्क और नॉर्वे की राजकुमारी ऐनी विलियम III के बाद, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और आयरलैंड की रानी बन गईं।

1706 कैटालोनिया की रियासत ने अपना लघु संसद बनाया और स्पेन के राजा कार्लोस III द्वारा अध्यक्षता की गयी।

1736 अफशरीद वंश के संस्थापक नादेर शाह को ईरान के शाह का ताज पहनाया गया था।

1777 अंडेबैक और बेरूथ के रेजिमेंट, ऑक्सेंफर्ट शहर में अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध में विद्रोह में ग्रेट ब्रिटेन का समर्थन करने के लिए भेजा गया था।

1838 न्यू ऑरलियन्स में अमेरिकी टकसाल ऑपरेशन शुरू किया गया।

1855 बैट्स कॉलेज की स्थापना लुइस्टन, मेन में उन्मूलनवादियों द्वारा की गई।

1890 नॉर्थ डकोटा राज्य विश्वविद्यालय फारगो में स्थापित किया गया।

1910 फ्रांसीसी एविएट्रिक्स रेमोंड डी लारोचे पहली महिला बन गईं जो एक पायलट का लाइसेंस लेती थीं।

1911 यूरोप में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

1919 1919 की मिस्र की क्रांति के दौरान, ब्रिटिश अधिकारियों ने साद ज़गलौल और दो अन्य लोगों को माल्टा में निर्वासित किया।

खेल तमाशा

जमूरे बताएगा? हां बताएगा, पूछो उस्ताद। यह खेल-तमाशा क्या होता है? उस्ताद खेल या तमाशा? सवाल तो ठीक से पूछो उस्ताद। यह संसद नहीं सडक़ है। सडक़ों पर कभी ग़लत सवाल नहीं पूछे जाते उस्ताद। खेल, खेल है और तमाशा, तमाशा। तो जमूरे बता खेल क्या है? उस्ताद खेल एक स्वाभाविक और आनन्द देने वाली प्रक्रिया है। खेल बालक ही नहीं बड़े भी खेलते हैं। इससे मनोरंजन भी होता है और विकास भी। शरीर और मन के विकास के साथ सामाजिक और भावनात्मक विकास भी। और तमाशा। उस्ताद तमाशे पर चचा ग़ालिब का शे'र है, 'बाज़ीचा ए अतफाल है दुनिया मेरे आगे, होता है शबो रोज़ तमाशा मेरे आगे।' दुनिया खेल है लेकिन चचा इसे तमाशा कहते हैं। हम इन्सानों ने इसे सचमुच तमाशा ही बना दिया है। पर जमूरे क्या मेरा सवाल कोई सरकारी प्रोजेक्ट था, जिसे तू डकार गया। नहीं उस्ताद।

अपनी ऐसी क़िस्मत कहाँ। पर मैंने सोचा था कि जिन दो करोड़ नौकरियों का वादा था, शायद उसमें से एक-आध मुझे भी मिल जाए। यह एक-आध क्या होता है जमूरे? जो गिनती में हो तो एक, पर वास्तव में हो आधा। सरकारी नौकरी में मज़े हैं, उस्ताद। कहने को पूरी, पर करने में अधूरी। पर तू बात खा गया। बता तमाशा क्या है? अपनी ऐसी क़िस्मत कहाँ कि कुछ खा सकें। खाने वाले दुनिया के अमीरों में शामिल होते हैं। हमें तो दो जून का खाना मिल जाए तो बड़ी बात उस्ताद। ख़ैर! तमाशा बाज़ीगरों या मदारियों के खेल को कहते हैं। यह भाँड़ों या बहुरूपियों की नक़ल या स्वाँग भी हो सकता है। 'तमाशा' मनोरंजन है। यक़ीन न हो तो संसद देख लो उस्ताद। पर जमूरे मनोरंजन तो बीते दिन दिल्ली के डिप्टी मेयर के चुनाव में हुआ था। क्या लात-घूँसे चले थे। मज़ा आ गया। कल तो तमाशा दिखाने वाले ने भी जी भर कर तमाशा देखा। ऐसा ही होता है उस्ताद! जब खेल तमाशा हो जाए। राजनीति अब खेल नहीं तमाशा है, जिसमें दुनिया भर के लफंगे भाग लेते हैं। पर अब आम लोग भी तमाशबीन हो कर रह गए हैं। कहीं रेप भी हो रहा हो तो आम लोग तमाशबीन होकर वीडियो बना लेंगे लेकिन पीड़िता की मदद को कोई आगे नहीं आता।

अमेरिका में राष्ट्रपति का पिछला चुनाव मज़ाक बन कर रह गया था। पाकिस्तान भी कम नहीं। इमरान खान ने जम कर तमाशा किया। फिर भारत पीछे क्यों रहे उस्ताद। जमूरे भूख क्या होती है और इसे कैसे मिटाया जा सकता है? उस्ताद पेट की भूख तो खाना खाकर मिट जाती है। पर मन की भूख कभी नहीं मिटती। नहीं तो दो रोटी, तन ढकने को चार कपड़े और छः बाई तीन फुट की सोने की जगह को छोड़ कर और क्या चाहिए। ठीक कहता है जमूरे। भूख पेट भर, पर चाहतें सात समन्दर। सात समन्दर घूमने के बाद आदमी जब उसी जगह लौट कर वापिस आता है तो पता चलता है कि दुनिया गोल है। क्या इसी भूख की वजह से भ्रष्टाचार फैला है जमूरे? जी उस्ताद! यही भूख भ्रष्ट आचरण का कारण है। तो क्या करूँ, तेरी तरह भ्रष्टाचार को भी ग़ायब कर दूँ? कर दो उस्ताद। पर देखना कहीं नक्शे से देश ही ग़ायब न हो जाए। इन्दिरा गाँधी तो पहले ही बोल गईं हैं कि भ्रष्टाचार सार्वभौमिक है। देखना पहले से गोल दुनिया कहीं सचमुच गोल न हो जाए। नहीं तो तमाशा किसे दिखाएंगे? रही भारत की बात तो युगपुरूष के आगमन के पश्चात भारत में आरम्भ आज़ादी के अमृत काल में भ्रष्टाचार जड़मूल ख़त्म हो चुका है।

पर्यटन को अनुशासित रखें

यह महज पर्यटन उद्योग का तनाव नहीं है, बल्कि पर्यटन क्षेत्र के साथ जुड़ी भूमिकाओं व व्यवस्था का कमजोर पक्ष रहा है कि मनाली में ग्रीन टैक्स वसूली अखाड़े में बदल गई। यहां भी सौ के करीब बाइकर्ज हुड़दंग मचाते हुए चेतावनी दे रहे थे और व्यवस्था के कागजी पन्नों पर कीचड़ उछाल रहे थे। पर्यटन क्षेत्र की तासीर में हम ऐसी घटनाओं को केवल अपराधिक मामला मान लेते हैं, जबकि यह कुप्रबंधन, कानून व्यवस्था की खामी, पर्यटन अनुशासन तथा पुलिस पेट्रोलिंग से जुड़ी सर्तकता की ओर इशारा कर रहे हैं। हमने पर्यटन को मात्रात्मक शक्ति मान कर इसके साथ हासिल गुणात्मक पहलुओं पर विचार ही नहीं किया। ग्रीन टैक्स को एक पद्धति के रूप में विकसित किया जाए, तो इस तरह के नजारे सामने नहीं आएंगे। इसके लिए प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर पर्यटक व पर्यटक वाहनों का पंजीकरण आवश्यक हो जाता है। इतना ही नहीं पर्यटक वाहन के चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस तथा वाहनों की स्थिति का विश£षण भी होना चाहिए। पिछले कुछ सालों से सावन के महीने में ऐसे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, जो खटारा-नाकारा वाहनों के जरिए हिमाचल के परिवेश को पर्यावरण तथा समाज को गैर जिम्मेदाराना व्यवहार से चेतावनी दे रहा है। पर्यटकों की शिनाख्त में सही-गलत की पहचान तथा हाई एंड टूरिस्ट की खोज अहम हो जाती है। यहां यह विचारणीय है कि जिन लोगों ने मनाली और मणिकर्ण में हुड़दंग मचाया, क्या उन्हें पर्यटक माना जाए। क्या जिस भीड़ को हम अटल टनल से गुजरते देख रहे हैं, उसमें मौजूद हर व्यक्ति पर्यटन की परिभाषित कर भी रहा है।

विडंबना यह है कि पिछले कुछ सालों में 'भीड़ पर्यटन' की निरंतरता में हम न केवल अपने पारंपरिक गंतव्यों की पहुंच को गिरा रहे हैं, बल्कि ट्रैरकिंग के नाम पर शिकारी देवी, चूड़धार, बिजली महादेव, त्रियूंड या बीड़-बिलिंग जैसे स्थलों को भी अगंभीर सैलानियों की मौजूदगी से रौंद रहे हैं। पर्यटन को अनुशासन की दृष्टि से देखते हुए न केवल नए बंदोबस्त की जरूरत है, बल्कि पर्यटन के हर पहलू के सूत्रधार के रूप में कानून-व्यवस्था का फलक ऊंचा करना होगा। ऐसे लक्ष्य की प्राप्ति में प्रदेश के हर विभाग, पर्यटन उद्योग से जुड़े हर व्यवसायी तथा पर्यटन संबंधी नियमों को नए सिरे से प्रस्तुत करना होगा। बिना पंजीकरण व पर्यटन ऐप के कोई भी पर्यटक मुख्य डेस्टिनेशन तक न पहुंच सके, इसकी व्यवस्था मुख्य प्रवेश द्वारों से ही करनी होगी। यहां सवाल पड़ोसी राज्यों से जुड़ी कानून व्यवस्था तथा धार्मिक पर्यटन से जुड़े उस सैलाब का भी है, जो हर साल नसीहतें दे जाता है। पहले तीर्थाटन व पर्यटन अलग-अलग तरह से हिमाचल की क्षमता का इस्तेमाल करते थे, जबकि अब मंदिरों की भीड़ और अटल टनल की भीड़ में कोई अंतर नहीं बचा है। ऐसे में प्रदेश भर के टूरिस्ट मार्गों पर रात और दिन पुलिस पेट्रोलिंग की आवश्यकता बढ़ जाती है। अनुचित तौर पर यहां-वहां नाका लगाने के बजाय प्रमुख पर्यटन केंद्रों से पहले जांच को पूरा करने की व्यवस्था कायम करने का सलीका होना चाहिए, ताकि यदा कदा तलवारें लहराते सैलानी पकड़ में आएं। पूरे प्रदेश के पर्यटक व धार्मिक स्थलों के लिए एक नीति के तहत ग्रीन टैक्स की उगाही का सुचारू प्रबंध पुलिस की देखरेख में प्रवेश द्वारों पर ही हो जाए और यह एक पैकेज के तहत किया जाए। यानी पर्यटक प्रदेश के भीतर जितना आगे बढ़ेगा, उसी के अनुरूप ग्रीन टैक्स की दर भी बढ़ती जाएगी और यह पंजीकरण के साथ ऐप बताएगी कि कौन पर्यटक कहां तक जाने के लिए अधिकृत है। इसी के साथ पर्यटन आकर्षणों को भी किसी न किसी तरह के शुल्क के साथ जोडना होगा। हिमाचल में मात्र संख्या बढ़ा कर तो हम केवल हुड़दंगियों का स्वागत करते रहेंगे। यह मात्र हुड़दंगियों को रोकने के लिए जरूरी नहीं, बल्कि उस उत्पात को नियंत्रण करने के लिए भी जरूरी है जो मनोरंजन व रोमांच के मायनों में कई बार पर्वतीय खतरों में फंस जाता है।

विदेश जाकर देश की आलोचना करने वाले राहुल गांधी पर कैसे विश्वास

ललित गर्ग

जब राहुल गांधी राफेल सौदे में गड़बड़ी को इंगित करते तब फिर वे क्या हासिल करने के लिए एक जरूरी रक्षा सौदे को संदिग्ध बता रहे थे? आखिर इससे उन्हें अपयश के अलावा और क्या मिला? उनकी नादानी की वजह से भारत की छवि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी धुंधलाती रही।

देश पर सर्वाधिक समय शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेशी की धरती पर होहल्ला मचाते हुए भारत की छवि को धूमिल करने का घृणित एवं गैरजिम्मेदाराना काम किया है। गांधी ने लंदन की कैमब्रिज यूनिवर्सिटी में पेगासस को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। वह देश में इस तरह की बातें करते ही रहे हैं कि मोदी सरकार के चलते भारतीय लोकतंत्र खतरे में है और सरकार से असहमत लोगों के साथ विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। वह वहां यह भी कह गए कि भारत की सभी संस्थाओं और यहां तक कि न्यायालयों पर भी सरकार का कब्जा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके सरकार चलाने के तौर-तरीकों की तीव्र आलोचना की, जो महज खिसियाहट भरी अभद्र राजनीति का ही परिचायक नहीं था, बल्कि इसका भी प्रमाण था कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के लिए कोई किस हद तक जा सकता है, देश के गौरव को दांव पर लगा सकता है। राहुल गांधी ने जिस तरह प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, क्या वह देश के सर्वोच्च राजनीतिक दल की गैर जिम्मेदाराना राजनीति का परिचायक नहीं है?

राहुल गांधी ने यह बात ठीक उस वक्त कही, जब कुछ ही घंटे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने दो ऐसे फैसले दिए थे, जो सरकार के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करते हुए भी देखे गए। एक फैसले के तहत उसने निर्वाचन आयोग के आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को भागीदार बनाया और दूसरे के तहत अदाणी मामले की जांच करने के लिए अपने हिसाब से एक समिति गठित की। सबसे हैरानी एवं दुर्भाग्य की बात यह रही कि राहुल गांधी ने पेगासस मामले को नए सिरे से उछाला और अपनी जासूसी का आरोप लगाते हुए यह हास्यास्पद दावा भी किया कि खुद खुफिया अधिकारियों ने उनसे कहा था कि उनका फोन रिकॉर्ड किया जा रहा है और उन्हें संभल कर बात करनी चाहिए। स्पष्ट है कि उन्होंने यह बताना आवश्यक नहीं समझा कि सुप्रीम कोर्ट की एक समिति ने इस मामले की जांच की थी और उसने यह पाया था कि उसके पास जांच के लिए आए फोन में से किसी में भी जासूसी उपकरण नहीं मिला। लगता है पेगासस राहुल के मोबाइल में नहीं, उनके दिमाग में है।

राहुल गांधी अक्सर भाजपा सरकार एवं नरेन्द्र मोदी के विरोध में स्तरहीन एवं तथ्यहीन आलोचना, छिद्रान्वेशन करते रहे हैं। ऐसा लगता है उनकी चेतना में स्वस्थ समालोचना की बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। राहुल गांधी न सही, कम से कम उनके सहयोगियों और सलाहकारों को यह पता होना चाहिए कि उनकी घिसी-पिटी बातें और यह राग लोगों को प्रभावित नहीं कर रहा बल्कि देश को बर्बाद कर रहा है। विदेश की धरती पर ऐसी सारहीन, तथ्यहीन एवं भ्रामक आलोचना से दुनिया में भारत की छवि को भारी नुकसान पहुंचता है। राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता एवं नासमझी के अनेक किस्से हैं, अक्सर वे खुद को सही साबित करने के लिए छल का सहारा लेने में लगे रहते हैं। अफसोस केवल यह नहीं कि बिना किसी सुबूत राहुल गांधी झूठ का पहाड़ खड़ा करने में लगे हुए हैं, बल्कि इस पर भी है कि अनेक जिम्मेदार राजनेताओं ने उनकी झूठ की राजनीति में सहभागी बनना बेहतर समझा। यही कारण है कि कांग्रेस एवं उसके अनर्गल प्रलाप में सहभागी बनने वाले राजनीतिक दल लगातार हार का मुंह देख रहे हैं, फिर भी कोई सबक लेने एवं सुधरने का प्रयास नहीं करते। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में कांग्रेस को जो पराजय मिली, वह उसके खोखले चिंतन, अपरिपक्व राजनीति, तथ्यहीन बयानों और दृष्टिहीनता का ही नतीजा है। राहुल गांधी अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए किस तरह विदेश में देश को नीचा दिखाने पर तुले हुए हैं, इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने यह कह दिया कि मोदी सरकार सिखों, ईसाइयों और मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक समझती है। यह एक किस्म की शरारत ही नहीं, देश की एकता को खंडित करने की कोशिश भी है। यह देश को तोड़ने एवं आपसी सौहार्द को भंग करने की कुचेष्ठा है। अच्छा होता कि कोई उन्हें यह बताता कि भाजपा ने ईसाई बहुल नगालैंड में केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटों पर जीत हासिल की है। किसी को राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि वह भारत विरोधी एवं भारत के दुश्मन चीन का बखान करके भारत के जख्मों पर नमक छिड़कने का ही काम कर रहे हैं। यह एक तरह की सस्ती, स्वार्थी और एक तरह से देशघाती राजनीति है।

राहुल गांधी भले ही नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार रूपी साफ-सुधरे 'आइने' पर धूल जमी होने का ख्वाब देख रहे हों मगर असलियत में उनेके 'चेहरे' पर ही धूल लगी हुई है जिसे साफ करके 'आइने' में अपना चेहरा देखना होगा। क्योंकि दुनियाभर के राजनेता एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति भारत एवं नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा कर रहे हैं, जी-20 के सम्मेलन में भाग लेते हुए दिल्ली में एक दिन पहले ही इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनियाभर में लोग प्यार करते हैं। इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के संस्थापक बिल गेट्स ने भी पिछले दिनों एक लेख लिखकर बताया कि भारत विश्व को विकास एवं शांति की राह दिखा रहा है।

इनसाइड

सेबी क्लाउड सेवाओं के इस्तेमाल के लिए नए नियम लेकर आई, होगा ये बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक बयान के अनुसार यह रूपरेखा बाजार प्रतिभागियों, नियामकों, क्लाउड एसोसिएशनों, क्लाउड सेवा प्रदाताओं (सीएसपी), सरकारी एजेंसियों और सेबी सलाहकार समितियों के साथ किए गए अध्ययन, सर्वेक्षण और परामर्श पर आधारित है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और अन्य इकाइयों की ओर से क्लाउड सेवाओं को अपनाने के लिए एक सिद्धांत-आधारित ढांचा पेश किया है। भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक बयान के अनुसार यह रूपरेखा बाजार प्रतिभागियों, नियामकों, क्लाउड एसोसिएशनों, क्लाउड सेवा प्रदाताओं (सीएसपी), सरकारी एजेंसियों और सेबी सलाहकार समितियों के साथ किए गए अध्ययन, सर्वेक्षण और परामर्श पर आधारित है। सेबी के एक बयान के अनुसार क्लाउड फ्रेमवर्क स्केलेबिलिटी, कम परिचालन लागत, डिजिटल परिवर्तन और कम सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचे की जटिलता के माध्यम से व्यावसायिक संभावनाओं को बढ़ाने और क्लाउड कंप्यूटिंग को अपनाने के लिए विनियमित इकाई (आरई) की ओर से पूरा की जाने वाली अनिवार्य जरूरतों का समाधान है। इसमें नौ उच्च-स्तरीय सिद्धांत हैं जो क्लाउड अपनाने से जुड़े जोखिमों पर प्रकाश डालता है और आवश्यक अनिवार्य नियंत्रणों की सिफारिश करता है। दस्तावेज में (आरई और सीएसपी द्वारा) कार्यान्वित किए जाने वाले आवश्यक आधारभूत सुरक्षा उपायों की भी सिफारिश की गई है, और आरई सेबी द्वारा समय-समय पर जारी सभी लागू परिपत्रों / दिशानिर्देशों / परामर्शों आदि में अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं, प्रौद्योगिकी जोखिम मूल्यांकन, जोखिम उठाने की क्षमता, अनुपालन आवश्यकताओं के अनुसार अतिरिक्त उपायों को जोड़ने का निर्णय ले सकता है। बयान में कहा गया है कि आरई क्लाउड कंप्यूटिंग के लिए प्रभावी शासन, जोखिम और अनुपालन (जीआरसी) उप-ढांचा स्थापित करेगा ताकि संस्थान अपनी परिस्थितियों या जरूरतों के लिए उपयुक्त क्लाउड रणनीति तैयार कर सकें। संशोधित नियम से सेबी की ओर से जारी विभिन्न परिपत्रों में उल्लिखित शासन के ढांचे का भी पालन हो सकेगा।

मेटा में फिर हो रही हजारों कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी! रिपोर्ट में किया गया दावा

एनटीवी न्यूज

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल नेटवर्किंग कंपनी बीते साल नवंबर में अपने 13 प्रतिशत कर्मियों को निकालने के बाद एक बार फिर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने पूर्व की छंटनी के दौरान कहा था कि वह और अधिक कुशल बनने के लिए ऐसा कर रही है। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैतृक कंपनी मेटा प्लेटफार्म्स छंटनी के एक नए दौर की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है कि कि जारी हफ्ते के दौरान हजारों कर्मचारी इससे प्रभावित हो सकते हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने इस बारे में बताया है।

पिछले साल 13 प्रतिशत कर्मचारियों को किया गया था बाहर

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल नेटवर्किंग कंपनी बीते साल नवंबर में अपने 13 प्रतिशत कर्मियों को निकालने के बाद एक बार फिर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर करने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने पूर्व की छंटनी के दौरान कहा था कि वह और अधिक कुशल बनने के लिए ऐसा कर रही है। अपनी पहली बड़ी छंटनी के दौरान कंपनी से 11000 कर्मचारियों को बाहर निकालने का फैसला किया था। कंपनी अपने को सरल बनाना चाहती है और जिन टीमों की जरूरत नहीं है, उन्हें पूरी तौर पर बाहर किया जा रहा है। फरवरी में आई ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के इस कदम को अब भी अंतिम रूप दिए जाने की तैयारी चल रही है। कंपनी के इस फैसले से हजारों स्थायी कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

जुकरबर्ग के पैरेंटल लीव पर जाने से पहले योजना हो जाएगी तैयार

लोगों के मुताबिक छंटनी के इस चरण को अगले हफ्ते में अंतिम रूप दिया जा सकता है। एक सूत्र ने कहा कि योजना पर काम कर रहे लोग उम्मीद कर रहे हैं कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग के अपने तीसरे बच्चे के लिए पेरेंटल लीव पर जाने से पहले इसे तैयार कर लिया जाएगा।

जुकरबर्ग ने 2023 को दक्षता का वर्ष बताया है

लोगों ने कहा नवंबर में की गई छंटनी एक आश्चर्य की बात थी, लेकिन इस बार की छंटनी का लोगों ने व्यापक तौर पहले ही अनुमान लगाया है। जुकरबर्ग ने 2023 मेटा के लिए ₹दक्षता का वर्ष₹ करार दिया है और कंपनी ने प्रदर्शन समीक्षाओं के दौरान कर्मचारियों को इससे जुड़े थीम के बारे में बताया है।

पूर्व RBI गवर्नर रघुराम राजन के दावे को किया खारिज, हिंदू विकास दर के तर्क को कहा 'पक्षपातपूर्ण'

एनटीवी न्यूज

रिपोर्ट में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2023 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में तिमाही क्रमिक आधार पर गिरावट का रुख रहा है। चुनिंदा तिमाहियों में यह तर्क दिया गया है कि भारत राज कृष्ण द्वारा गढ़ी गई विकास दर (3.5-4 प्रतिशत) की ओर जा रहा है, जो 1947-1980 की अवधि में दौरान विकास पर हावी रही थी।'

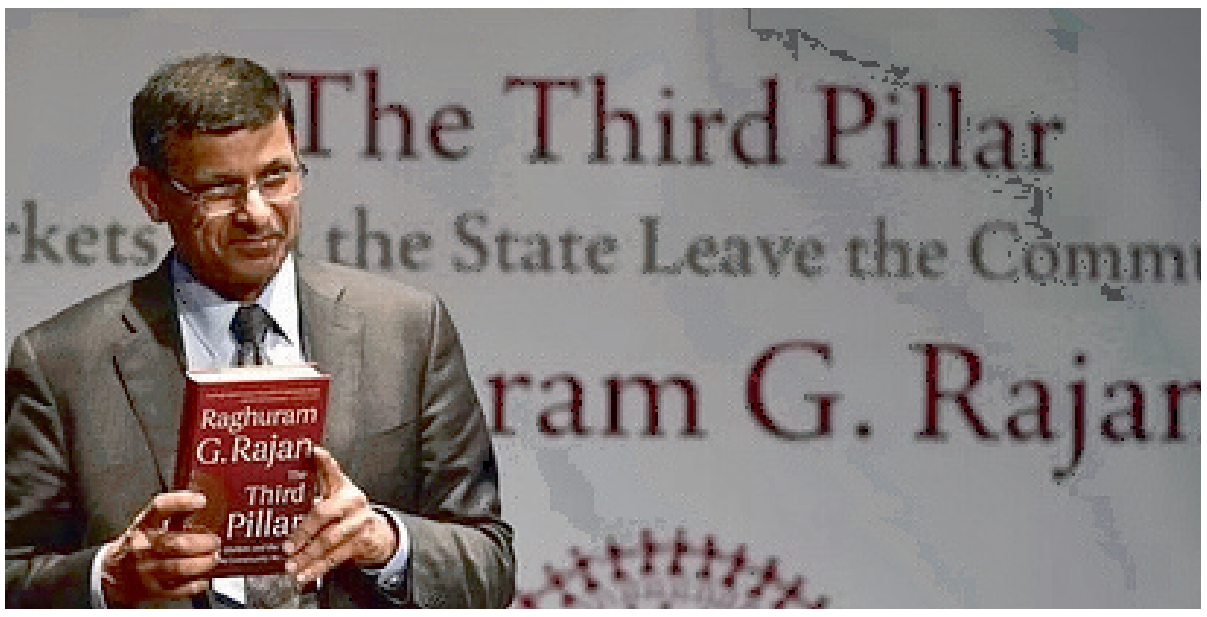

एसबीआई रिसर्च ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में कहा है कि भारत के 'हिंदू विकास दर' की ओर बढ़ने का तर्क गलत सोच पर आधारित और पक्षपातपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बचत और निवेश से संबंधित आंकड़ों को देखते हुए यह अपरिपक्व प्रतीत होता है। विकास की हिंदू दर शब्द 1978 में अर्थशास्त्री राज कृष्ण की ओर से गढ़ा गया था। उन्होने वर्ष 1947-1980 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में लगभग 3.5-4.0% की आर्थिक वृद्धि की बात कही थी।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2023 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में तिमाही क्रमिक आधार पर गिरावट का रुख रहा है। चुनिंदा तिमाहियों में यह तर्क दिया गया है कि भारत राज कृष्ण द्वारा गढ़ी गई विकास दर (3.5-4 प्रतिशत) की ओर जा रहा है, ये 1947-1980 की अवधि में दौरान विकास पर हावी रही थी।'

इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है, 'बचत और निवेश के आंकड़ों के आधार पर हम इसे देखें तो यह गलत तरीके से बनाया गया, पक्षपातपूर्ण और प्रीमैच्योर्ड लगता है। एसबीआई रिसर्च की यह रिपोर्ट आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने मीडिया से कहा था कि भारत की आर्थिक वृद्धि राज कृष्ण के 'हिंदू विकास दर' के करीब है।

इसके अलावा एसबीआई रिसर्च ने तर्क दिया कि कुल सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का संस्थागत हिस्सा वित्त वर्ष 12 से जीडीपी के क्रमशः लगभग 10 प्रतिशत और 34 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा है।

विश्व बैंक के अनुसार सकल पूंजी निर्माण में अर्थव्यवस्था की अचल संपत्तियों के अलावा निवेश और इन्वेंट्री के स्तर पर शुद्ध परिवर्तन शामिल हैं। सरकार की ओर से सकल पूंजी निर्माण 2021-22 में 11.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 10.7 प्रतिशत था। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका निजी क्षेत्र के निवेश पर भी प्रभाव पड़ा, जो इसी अवधि में 10 प्रतिशत से बढ़कर 10.8 प्रतिशत हो गया।

सीबीआई ने पर्ल ग्रुप के निदेशक हरचंद सिंह गिल को किया गिरफ्तार, फिजी से किया गया प्रत्यर्पित

विदेश में रह रहे भगोड़ों को वापस लाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से शुरू किए गए 'ऑपरेशन त्रिशूल' के तहत गिल को फिजी द्वीप समूह से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद सोमवार देर रात फिजी से लाया गया।

सीबीआई ने पर्ल्स समूह के निदेशक हरचंद सिंह गिल को करोड़ों रुपये के पोंजी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। उन्हें फिजी से प्रत्यर्पित किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि विदेश में रह रहे भगोड़ों को वापस लाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से शुरू किए गए 'ऑपरेशन त्रिशूल' के तहत गिल को फिजी द्वीप समूह से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद सोमवार देर भारत लाया गया। सीबीआई का दावा है कि पिछले साल अभियान शुरू होने के बाद से करीब 30 भगोड़ों को सफलतापूर्वक भारत लाया गया। इस अभियान का उद्देश्य इंटरपोल की मदद से अपराधियों और भगोड़ों की आय का पता लगाना और उन्हें वापस लाना है। एजेंसी ने पर्ल्स समूह और उसके संस्थापक निर्मल सिंह भंगू के खिलाफ 19 फरवरी 2014 को भोले-भाले निवेशकों को उनके निवेश के बदले जमीन की पेशकश कर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोपों पर जांच शुरू की थी। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने देश भर में इन निवेशकों को धोखा देकर 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी की।

कर्ज में डूबे जेपी इन्फ्राटेक का अधिग्रहण करेगा मुंबई का सुरक्षा समूह, एनसीएलटी ने दी मंजूरी

अधिकरण ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के समाधान पेशेवर की याचिका पर पिछले साल 22 नवंबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। याचिका में सुरक्षा समूह की बोली के लिए मंजूरी मांगी गई थी।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज के बोझ से दबी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड का अधिग्रहण करने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं में करीब 20,000 फ्लैटों को पूरा करने के लिए मुंबई स्थित सुरक्षा समूह की बोली को मंगलवार को मंजूरी दे दी।

एनसीएलटी के अध्यक्ष रामलिंगम सुधकर की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय प्रधान पीठ ने सुनवाई पूरी करने और आदेश सुरक्षित रखने के तीन महीने से अधिक समय बाद समाधान योजना को मंजूरी दे दी।

अधिकरण ने जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के समाधान पेशेवर की याचिका पर पिछले साल 22 नवंबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। याचिका में सुरक्षा समूह की बोली के लिए मंजूरी मांगी गई थी। इसके साथ ही नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में विभिन्न अटकी पड़ी परियोजनाओं में करीब 2200 फ्लैटों को पूरा करने की मांग की गई थी।

जून 2021 में सुरक्षा समूह को जेआईएल के अधिग्रहण के लिए लेनदारों की समिति (सीओसी) की मंजूरी मिली, जिसमें बैंक और घर खरीदार शामिल हैं। सीओसी के इस फैसले से 20,000 मकान खरीदारों को रुकी हुई परियोजनाओं में अपने फ्लैटों का कब्जा मिलने की उम्मीद जगी है। जेआईएल के खिलाफ

आईएमएफ की फंडिंग हासिल करने के लिए पाकिस्तान ने चीन से लगाई मदद की गुहार, IMF को दी ये जानकारी

पाकिस्तान ने आईएमएफ से सात अरब डॉलर की ऋण सुविधा के तहत 1.1 अरब डॉलर की किस्त जारी करने के कोष के अनुरोध पर विभिन्न उपायों को लागू करने के बारे में सूचित किया। पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि दोनों पक्षों को अब और समय बर्बाद किए बिना कर्मचारी स्तर के समझौते (एसएलए) पर हस्ताक्षर करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से कहा है कि उसने चीन से दो अरब डॉलर की जमा राशि को एक और साल के लिए वापस लेने का अनुरोध किया है। बता दें कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 1.1 अरब डॉलर की फंडिंग की प्रतीक्षा कर रहा है।

'द न्यूज इंटरनेशनल' अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा, "हमने चीनी पक्ष से दो अरब डॉलर की स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज (एसएएफई) जमा को वापस लेने का अनुरोध पहले ही कर दिया है, जो चालू महीने के अंत तक परिपक्व होने जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त मंत्रालय और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने वाशिंगटन स्थित ऋणदाता के साथ कर्मचारी स्तर के समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ आभासी बातचीत में अपनी बाहरी वित्तपोषण योजना साझा की।

पाकिस्तान ने आईएमएफ को जून के अंत तक अपने घटते विदेशी मुद्रा भंडार को 10 अरब डॉलर तक बढ़ाने की अपनी योजना से अवगत कराया। रिपोर्ट में शीर्ष आधिकारिक सूत्र के हवाले से कहा गया है, 'नियोजित योजनाओं के तहत आईएमएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार से इस्लामाबाद बहुपक्षीय, द्विपक्षीय और वाणिज्यिक वित्तपोषण सहित सभी संभावित तरीकों से आवश्यक डॉलर फंडिंग जुटाने में सक्षम होगा।

पाकिस्तान में कुल चीनी सुरक्षित जमा 4 बिलियन अमरीकी डालर था और ये कुछ महीनों में परिपक्व होने वाले हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान के करीबी सहयोगी चीन ने दो अरब डॉलर की सुरक्षित जमा राशि को वापस लेने को मंजूरी देने का मौखिक आश्वासन दिया है।

पाकिस्तान ने आईएमएफ से सात अरब डॉलर की ऋण सुविधा के तहत 1.1 अरब डॉलर की किस्त जारी करने के कोष के अनुरोध पर विभिन्न उपायों को लागू करने के बारे में सूचित किया। पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि दोनों पक्षों को अब और समय बर्बाद किए बिना कर्मचारी स्तर के समझौते (एसएलए) पर हस्ताक्षर करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

शेयर बाजार में होली की छुट्टी, सेंसेक्स और निफ्टी में नहीं होगी खरीद-बिक्री

नई दिल्ली। Share Market Holiday : सात मार्च मार्च के अलावे शेयर बाजार इस महीने 30 मार्च को भी बंद रहेगा। महीने के आखिर में रामनवमी के मौके पर बाजार में कारोबार नहीं होगा। शेयर बाजार के आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक आज की छुट्टी के दौरान इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी आज सेगमेंट बंद रहेगे। शेयर बाजार में होली की छुट्टी पर पिछले कई दिनों से जारी अनिश्चितता पर आखिरकार विराम लग गया है। सेंसेक्स और निफ्टी होली के मौके पर आज यानी 7 मार्च को ही बंद है। अब यह आधिकारिक रूप से साफ हो गया है। इससे पहले होली की छुट्टी 7 मार्च को रहेगी या 8 मार्च को इसे लेकर निवेशक और कारोबारी असमंजस में थे। बाजार में इस अनिश्चतता का कारण देश के कुछ हिस्सों में होली 7 मार्च को जबकि बाकी देश में होली 8 मार्च को मनाए जाने के कारण था। बता दें कि मंगलवार की छुट्टी से पहले सोमवार को और बीते हफ्ते शुक्रवार को बाजार में बढ़िया तेजी दिखी थी। सात मार्च मार्च के अलावे शेयर बाजार इस महीने 30 मार्च को भी बंद रहेगा। महीने के आखिर में रामनवमी के मौके पर बाजार में कारोबार नहीं होगा। शेयर बाजार के आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक आज की छुट्टी के दौरान इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी आज सेगमेंट बंद रहेंगे। वहीं दूसरी ओर कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट (EGR) सेगमेंट केवल सुबह के सेशन में (सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे) तक बंद रहेगा। उसके बाद शाम के सेशन में यह खुल जाएगा। यानी इजीआर सेगमेंट आज शाम 5 बजे से अगली सुबह 9 बजे तक खुला रहेगा।

रक्षा मंत्रालय ने 70 प्रशिक्षण विमानों की खरीदारी के लिए एचएएल से किया करार, 6,800 रुपये में हुआ करार

एनटीवी न्यूज

मंत्रालय ने 31000 करोड़ रुपये में तीन कैडेट ट्रेनिंग शिप्स की शरीदारी के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ करार को अंतिम रूप दिया है। दोनों सौदों को प्रधानमंत्री की अध्यक्ष वाली कमिटी सीसीएस (Cabinet Committee on Security) ने एक मार्च को मंजूरी दी थी।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर एयरक्रॉफ्ट की खरीदारी के लिए समझौता किया है। वायुसेना के लिए यह खरीदारी 6,800 करोड़ रुपये में की जाएगी। मंत्रालय ने 31000 करोड़ रुपये में तीन कैडेट ट्रेनिंग शिप्स की शरीदारी के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ करार को अंतिम रूप दिया है। दोनों सौदों को प्रधानमंत्री की अध्यक्ष वाली कमिटी सीसीएस (Cabinet Committee on Security) ने एक मार्च को मंजूरी दी थी। रक्षा मंत्रालय की ओर से मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि एचएएल 70 एचटीटी-40 एयरक्राफ्ट अगले छह वर्षों के दौरान मुहैया कराएगी। वहीं शिप्स की डिलिवरी 2026 तक की जाएगी। एचएएल और एलएंटी के साथ करार पर हस्ताक्षर होने के दौरान रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने और अन्य सिविल और सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रवासी श्रमिकों से मिलने पहुंचे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, कही यह बड़ी बात

तमिलनाडु में प्रवासी श्रमिकों को लेकर चल रही अटकलों के बीच मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मजदूरों से मुलाकात की। इस दौरान श्रमिकों ने सीएम को बताया कि उनके आसपास काम का अच्छा माहौल है।

तमिलनाडु में प्रवासी श्रमिकों को लेकर चल रही अटकलों के बीच मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को लेटेक्स इकाई में मजदूरों के एक समूह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री की मुलाकात ऐसे वक्त हुई है, जब राज्य में प्रवासी मजदूरों पर कथित हमलों के फर्जी वीडियो वायरल हो रहे हैं। अफवाहों की वजह से हालात गड़बड़ चल रहे हैं। इस दौरान श्रमिकों ने सीएम को बताया कि उनके आसपास काम का अच्छा माहौल है। कुछ मजदूर पांच साल से अधिक समय से यहां रह रहे हैं। कई अपने परिवारों के साथ हैं और स्थानीय लोग उनके साथ भाईचारे का व्यवहार कर रहे हैं। श्रमिकों ने उन्हें बताया कि उन्हें कोई डर नहीं है। मुख्यमंत्री ने उनसे अफवाहों पर ध्यान नहीं देने को कहा। इस बीच पटना में द्रमुक के वरिष्ठ नेता और सांसद टीआर बालू ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। उन्होंने सीएम स्टालिन की ओर से बिहार सहित राज्यों के प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सरकार के कदमों पर भेजी गई एक रिपोर्ट सौंपी। वहीं, DMK के उपमहासचिव ए राजा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोजपा नेता बिहार में भाजपा की बी-टीम की तरह काम कर रहे हैं। दरअसल, पासवान छह मार्च को चेन्नई में थे और उन्होंने राज्यपाल आर एन रवि से मुलाकात की थी। उन्होंने बिहार के कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोपों की गहन जांच की मांग करते हुए इस मुद्दे पर एक ज्ञापन सौंपा था। इससे पहले स्टालिन ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक की लोकप्रियता को कुछ लोग सहन नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए वे गड़बड़ी पैदा कर इसे सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। द्रमुक सरकार को राज्य के अंदर और बाहर सम्मान मिल रहा है, उसकी तारीफ की जा रही है, लेकिन देश को बांटना चाह रहे लोग हम पर कीचड़ उछाल रहे हैं।

इनसाइड

फुलवारीशरीफ PFI मामला: NIA ने केरल-कर्नाटक से पांच हवाला ऑपरेटर्स को किया गिरफ्तार, फंडिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़

एनआईए ने एक बयान में कहा, गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी पीएफआई की आपराधिक साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाए गए हैं, जो भारत से बाहर से अवैध धन को स्थानांतरित पीएफआई के नेताओं और कैडरों के बीच वितरित करने में शामिल थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने फुलवारीशरीफ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) मामले में केरल के कासरगोड और कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ से पांच हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी का कहना है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही पीएफआई के 'फंडिंग-बाय-हवाला' मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है, जिसकी जड़ें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में थीं और बिहार व कर्नाटक से संचालित किया जा रहा था। एनआईए ने एक बयान में कहा, गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपी पीएफआई की आपराधिक साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाए गए हैं, जो भारत से बाहर से अवैध धन को स्थानांतरित पीएफआई के नेताओं और कैडरों के बीच वितरित करने और स्थानांतरित करने में शामिल थे। एनआईए का कहना है कि इससे पहले इस मामले में सात आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जब वे पिछले साल जुलाई में प्रशिक्षण के लिए पटना के फुलवारीशरीफ इलाके में एकत्र हुए थे।

पांच ईरानी नागरिकों के साथ संदिग्ध नांव पकड़ी, 425 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस और भारतीय तटरक्षक बल के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने पांच ईरानी नागरिकों के साथ एक संदिग्ध नांव पकड़ी। नाव से लगभग 425 करोड़ रुपये मूल्य का 61 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया है। गुजरात डीजीपी विकास सहाय ने बताया कि ओखा से 180 समुद्री मील दूर यह कार्रवाई की गई।

IAF के इतिहास में पहली बार: फ्रंटलाइन कॉम्बैट यूनिट की कमान संभालेंगी ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी, उनसे मिलिए

एनटीवी संवाददाता

भारतीय वायुसेना के इतिहास में पहली बार एक महिला अधिकारी को फ्रंटलाइन कॉम्बैट यूनिट की कमान सौंपी गई है। इस महीने की शुरुआत में सेना ने मेडिकल स्ट्रीम के बाहर पहली बार महिला अधिकारियों को कमांड भूमिकाओं को सौंपना शुरू किया है।

नई दिल्ली। बीते कुछ वर्षों में भारत के सशस्त्र बलों में महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। केंद्र सरकार भी सेनाओं में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है। महिलाएं भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। इस बीच, आईएएफ ने ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी को वेस्टर्न सेक्टर में फ्रंटलाइन कॉम्बैट यूनिट की कमान संभालने के लिए चुना है। भारतीय वायुसेना के इतिहास में पहली बार एक महिला अधिकारी को फ्रंटलाइन कॉम्बैट यूनिट की कमान सौंपी गई है। इस महीने की शुरुआत में सेना ने मेडिकल स्ट्रीम के बाहर पहली बार महिला अधिकारियों को कमांड भूमिकाओं को सौंपना शुरू किया। उनमें से लगभग 50 ऑपरेशनल सेक्टर में यूनिट्स का नेतृत्व करेंगी। ग्रुप कैप्टन धामी को वर्ष 2003 में हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में कमीशन किया गया था और उनके पास 2,800 घंटे से अधिक उड़ान भरने का अनुभव है। वह एक योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर यूनिट के फ्लाइट कमांडर के रूप में कार्य किया है। भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन सेना में कर्नल के बराबर होता है। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा दो मौकों पर सराहना किए जाने के बाद अधिकारी इस समय फ्रंटलाइन कमान हेडक्वार्टर की ऑपरेशन ब्रांच में तैनात हैं।

दिल्ली में विदेशी राजदूतों, राजनयिकों और मंत्रालय के अधिकारियों के लिए होली महोत्सव 2023 का आयोजन किया गया।

देश में होली की धूम, बच्चों से लेकर वृद्धजन भी रंगों से सराबोर

नई दिल्ली। पूरे देश में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाया जा रहा है। देश के हर कोने में बच्चों से लेकर वृद्धजन तक सभी रंगों के त्योहार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। इस बार तिथि को लेकर असमंजस की वजह से कइ जगह सोमवार तो कई जगह मंगलवार को होलिका दहन किया गया। इस वजह से होली के दौरान रंग भी मंगलवार और बुधवार दोनों दिन खेला गया। आइए तस्वीरों और वीडियो में देखते हैं देश में जश्न का माहौल...

देश की सुरक्षा में हर समय मुस्तैद सुरक्षा बलों के साथ भी लोगों ने रंगों का त्योहार मनाया।

स्कूल-कॉलेजों में छात्र-छात्राओं ने होली का जश्न पूरे उत्साह के साथ मनाया।

पूरे देश में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ रंगों का त्योहार मनाया गया। इस दौरान कई मंदिरों में भी भगवान को रंग चढ़ाकर जश्न की शुरुआत की गई।

देश में सभी धर्मों के लोगों ने होली के जश्न में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पूरे देश में हर्षोल्लास के हाथ रंगों का त्योहार मनाया गया।

इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में सीएम आवास पर होलिका दहन में शिरकत की।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी होलिका दहन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।